RNI : PBHIN/25/A4135

सत्ता संदेश

साप्ताहिक

सम्पादक : जितेंद्र कुमार Website : www.sattasandesh.com You Tube : @sattasandesh25 The Power of Print...

वर्ष : 2 अंक : 10 9 मार्च, 2026 मूल्य रु : 5 पृष्ठ : 8 Email : sattasandesh25@gmail.com Post Registration-LDM/0010/2025-26

रोहित की 'गोलमाल 5' में हुई...7

'लैला मजनू' के लिए तृप्ति ने लिया...7

बजट पेश होने से पहले कांग्रेस की तीखी प्रतिक्रिया

वादे बहुत किए, हासिल कुछ नहीं हुआ : वड़िंग

चंडीगढ़/सत्ता संदेश

पंजाब विधानसभा में पेश हो रहे 2026-27 के बजट पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने सरकार पर निशाना साधा है। वड़िंग ने कहा कि हालांकि लोगों को पिछले बजट से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन पिछले चार बजट के अनुभव ने पंजाब के लोगों की कमर तोड़ दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले बजट में किसी भी वर्ग को कुछ हासिल नहीं हुआ। राजा वड़िंग ने वित्तीय हालत पर चिंता

जताई और कहा कि पिछले बजट में बड़े-बड़े वादे किए गए थे और बड़ी बचत का दावा किया गया था लेकिन असलियत इसके उलट है। उनके मुताबिक, राज्य में कोई बचत नहीं हुई है, बल्कि पंजाब पर 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपये का एक्स्ट्रा कर्ज हो गया है। शिक्षा के मुद्दे पर सरकार पर हमला बोलते हुए वड़िंग ने कहा कि राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर में कोई सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने दावा किया कि सरकार के कार्यकाल में राज्य में एक भी नया स्कूल या कॉलेज नहीं बना है, जो सरकार की नाकामियों का साफ सबूत है।

पंजाब सरकार महिलाओं का मजाक उड़ा रहे : सुखपाल खैहरा

चंडीगढ़/सत्ता संदेश

कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरहा ने आम आदमी पार्टी सरकार पर पर कड़ा हमला बोला है और राज्य में लॉ एंड ऑर्डर को पूरी तरह फेल बताया है। खैरहा ने कहा कि पंजाब में रोजाना हत्याएं हो रही हैं। सुखपाल खैहरा ने आरोप लगाया कि पंजाब में दिनदहाड़े सरपंचों की हत्या हो रही है और अब तक चार-पांच ऐसे सरपंचों की हत्या हो चुकी है जो आम आदमी पार्टी से जुड़े थे।

नकोदर के गांव बूटे दियां छन्ना के सरपंच महिंदर सिंह कॉमरेड का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ड्रग्स के खिलाफ लड़ने के कारण उन पर हमला कर उनकी हत्या कर दी गई। इसके अलावा उन्होंने जगदेव कलां के पुलिस कांस्टेबल जगजीत सिंह की हत्या का मुद्दा भी उठाया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का हवाला देते हुए सुखपाल खैहरा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के एक वायरल वीडियो की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मंचों से महिलाओं का मजाक उड़ा रहे हैं और घटिया चुटकुले सुनाकर पंजाब की तौहीन कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से मुख्यमंत्री की ऐसी मनगढ़ंत कहानियों पर तालियां न बजाने की भी अपील की।

सुखपाल खैहरा ने राज्य सरकार पर फर्जी पुलिस एनकाउंटर करने के गंभीर आरोप लगाए और कहा कि पंजाब में अब तक 42 एनकाउंटर हो चुके हैं, जिनका पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने भी नोटिस लिया है। उन्होंने बाघा पुराना के विधायक अमृतपाल पर हैप्पी सरपंच ● शेष पृष्ठ 2 पर

ईरान के टॉप सिक्योरिटी अफसर की चेतावनी

हम ट्रंप को नहीं छोड़ेंगे, भारी कीमत चुकानी पड़ेगी...

नई दिल्ली/सत्ता संदेश

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच ईरान के वरिष्ठ नेता और सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव अली लारीजानी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरानी मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा ईरानी नेताओं और नागरिकों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं को ईरान कभी नहीं भूलेगा और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाब देना होगा।

लारीजानी का कहना है कि ईरान इस मामले को बेहद गंभीरता से देख रहा है और इसे केवल एक राजनीतिक विवाद नहीं बल्कि अपने देश की संप्रभुता और सम्मान से जुड़ा मुद्दा मानता है।

अमेरिका को दी कड़ी चेतावनी

लारीजानी ने कहा कि अमेरिका की आक्रामक नीतियों ने ईरानी जनता के दिलों में गहरा घाव दिया है। उन्होंने ● शेष पृष्ठ 2 पर

ट्रंप को लेकर ईरान की खुली धमकी

इंटरव्यू के दौरान अली लारीजानी ने कहा कि अमेरिका की नीतियों और फैसलों के कारण ईरान को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि ईरान के नेताओं और आम लोगों की मौत को देश कभी नहीं भूलेगा। उनके अनुसार, %हम ट्रंप को ऐसे ही नहीं छोड़ेंगे। उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। हमारे नेताओं और लोगों की शहादत हमारे लिए बहुत बड़ा मुद्दा है और जब तक हमें इसका जवाब नहीं मिल जाता, हम इसे भूलने वाले नहीं हैं।% उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका को यह समझ लेना चाहिए कि ईरान इस मुद्दे को लंबे समय तक याद रखेगा और इसे लेकर उसकी प्रतिक्रिया भी मजबूत होगी।

न्यूज़ ब्रीफ

युवक को गोली मारकर उतारा मौत के घाट

पायल/सत्ता संदेश

पायल इलाके में उस समय दहशत का माहौल बन गया जब एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मिली जानकारी के अनुसार इस घटना में पंजाब पुलिस के होमगार्ड जवान नाजर सिंह के बेटे ने अपने ही पड़ोसी युवक को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। हालांकि इस घटना के पीछे के असली कारणों के बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना की खबर मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पायल के डीएसपी जसविंदर ● शेष पृष्ठ 2 पर

शादी के एक महीने बाद ही विवाहिता की गोली मारकर हत्या

अमृतसर/सत्ता संदेश

थाना जंडियाला के गांव गहरी मंडी में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसमें थाना जंडियाला की पुलिस ने गुरविंदर सिंह, अमरिंदर सिंह व राजविंदर कौर के विरुद्ध केस दर्ज किया है। बलविंदर सिंह की शिकायत पर दर्ज किए गए मामले में उसने बताया कि उसकी भतीजी नविंदर कौर का विवाह 4 फरवरी 2026 में गुरविंदर सिंह के साथ हुआ था। विवाह में उन्होंने हैसियत से अधिक लेन-देन किया लेकिन विवाह के कुछ दिन बाद उसकी भतीजी को ससुराल वाले दहेज के लिए परेशान करने लगे थे।

रुपल धनंजय ने यूपीएससी में मारी बाजी

खंडवा/सत्ता संदेश

संघ लोकसेवा आयोग (क्रस्ट) ने सिविल सर्विस एग्जाम-2025 के नतीजे घोषित कर दिए हैं। इसमें राजस्थान के अनुज अग्निहोत्री ने ऑल इंडिया टॉप किया है, वहीं 958 कैंडिडेट्स ने बाजी मारी है। इनमें मध्य प्रदेश के कई प्रतिभाशाली युवाओं ने शानदार प्रदर्शन किया है। इस लिस्ट में खंडवा जिले की रूपल जायसवाल ने द्धुस् के लिए सिलेक्ट होकर झंडा गाड़ दिया है। रूपल धनंजय जायसवाल ने अपनी मेहनत और लगन से इस मुकाम को हासिल किया। उन्होंने UPSC की परीक्षा में 43वीं रैंक लाकर सफलता का ताज पहना है।

प्रेमी से परेशान महिला का खौफनाक कदम

मोगा/सत्ता संदेश

थाना धर्मकोट के अधीन पड़ते गांव नूरपुर हकीमां निवासी एक महिला द्वारा अपने कथित प्रेमी से तंग आकर कोई जहरीली दवाई खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में मृतका के पति सुखविन्द्र सिंह के बयानों पर कथित आरोपी सर्बजीत सिंह सरबा उसका पिता जोगिन्द्र सिंह निवासी गांव नूरपुर हकीमां तथा 2 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की जांच सहायक थानेदार हरप्रीत शर्मा द्वारा की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतका के कथित आरोपी सर्बजीत सरबा के साथ कथित प्रेम संबंध बताए जाते हैं।

कांग्रेस का युद्ध गप्प विरुद्ध पोस्टरों से आप पर हमला, महिलाओं के लिए 48 हजार की मांग

जालंधर/सत्ता संदेश

कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी के खिलाफ निशाना साधते हुए %युद्ध गप्प विरुद्ध% शुरू की है। कांग्रेस पार्टी ने जालंधर के नकोदर और शाहकोट समेत कई इलाकों में %युद्ध गप्प विरुद्ध% के पोस्टर लगाए हैं, जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है। दोनों विधानसभा क्षेत्रों में लगे इन पोस्टरों पर %युद्ध गप्प विरुद्ध% लिखा है और पंजाब सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया है। ये पोस्टर दोनों विधानसभा क्षेत्रों के लगभग हर गांव की दीवारों पर देखे जा सकते हैं।

पोस्टर में अखबार पकड़े एक महिला की तस्वीर भी है, जबकि नकोदर इलाके में लगे पोस्टरों पर शाहकोट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस ख्रु हरदेव सिंह लाडी शेरोवालिया और नवजोत सिंह दहिया की तस्वीर देखी जा सकती है। इसके साथ ही पोस्टरों में लिखा है कि इंतजार खत्म हुआ, अब 18 साल से ऊपर की हर महिला को 4 साल तक 48,000 रुपये दो।

डबर मर्डर : युवक ने मामूली बात पर मचाया कोहराम, 3 गिरफ्तार

लुधियाना/सत्ता संदेश

गाड़ी में ऊंची आवाज में गाने लगाने से रोकना युवक को इतना भारी पड़ा कि उसे अपनी जान गंवानी पड़ी, जहां तक उसका बचाव करने के लिए आगे आई बुजुर्ग महिला की भी मौत हो गई। युवक ने तेज रफ्तार से अपनी बोलैरो भगाकर दोनों को कुचला जिस कारण वह दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। वहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वारदात के बाद आरोपी अपने साथियों समेत मौके से फरार हो गया। थाना साहनेवाल की पुलिस ने 3 आरोपियों को काबू कर लिया। पुलिस ने मृतकों की पहचान भूपिंदर सहोता (25) व बुर्जुर्ग महिला की पहचान बलविंदर कौर के रूप में की है। पुलिस ने ● शेष पृष्ठ 2 पर

ट्रक ने स्कूटी को मारी टक्कर, बेटी की गई जान

लुधियाना/सत्ता संदेश

घंटाघर के निकट स्थित माता रानी चौक के पास तेज रफ्तार से जा रहे ट्रक ड्राइवर ने स्कूटी पर जा रहे बाप-बेटी को टक्कर मार दी। बदकिस्मती से लड़की ट्रक के नीचे आ गई और गंभीर रूप से जख्मी हो गई, जबकि उसका पिता दूसरी तरफ गिर गया। मौके पर वहां से गुजर रहे एक ई-रिक्शा चालक ने बाप-बेटी दोनों को अस्पताल पहुंचाया जहां डाक्टरों ने लड़की को मृत घोषित कर दिया। पता चलते ही थाना कोतवाली के ए.एस.आई. बलराज सिंह की टीम मौके पर पहुंच गई और मौका मुआयना करने के बाद लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा ट्रक को भी जब्त कर लिया।

पुलिस ने लड़की की पहचान 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा रश्मि और उसके पिता की पहचान मिथलेश के रूप में की गई है। ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। लड़की के पिता मिथलेश ने बताया कि उसकी बेटी ● शेष पृष्ठ 2 पर

अब 21 दिन के अंदर ही मिलेगा सिलेंडर

नई दिल्ली/सत्ता संदेश

ईरान-इजराइल युद्ध और दुनियाभर में ईंधन की अनिश्चितता को देखते हुए घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति में बदलाव किया गया है। अब कोई भी घरेलू उपभोक्ता पिछली डिलीवरी के 21 दिन बाद ही अगला सिलेंडर बुक कर सकेगा।

पहले यह अंतराल 15 दिन का था, लेकिन अस्थिर वैश्विक हालात को ध्यान में रखते हुए इसे बढ़ाकर 21 दिन कर दिया गया है। इसका उद्देश्य यह है कि सभी घरेलू उपभोक्ताओं को समान रूप से गैस सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित की जा

सके। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने गैस एजेंसियों के सिस्टम (सॉफ्टवेयर) में बदलाव कर नई व्यवस्था लागू कर दी है। महावीर गैस एजेंसी के संचालक देव नारायण महतो ने बताया कि अब 21 दिन के अंतराल के बाद ही दूसरा सिलेंडर बुक किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं ● शेष पृष्ठ 2 पर

भीषण धमाके से कांप उठीं दीवारें

नई दिल्ली/सत्ता संदेश

नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में रविवार तड़के एक रहस्यमयी और शक्तिशाली धमाके ने सनसनी फैला दी। यह विस्फोट अमेरिकी दूतावास के बेहद करीब हुसेबी इलाके में हुआ। धमाका इतना जोरदार था कि इसकी गूंज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई जिससे गहरी नींद में सोए लोग दहशत में आ गए। हालांकि राहत की बात यह है कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय निवासियों के अनुसार यह कोई ● शेष पृष्ठ 2 पर

महिलाओं ने रेलवे लाइन पर बैठ किया प्रदर्शन

कटरा/सत्ता संदेश

धर्मनगरी कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी कटरा रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात एक विवाद सामने आया, जिसके बाद रेलवे कर्मचारियों और आरपीएफ के बीच तनाव का माहौल बन गया। मामला एक महिला रेलवे कर्मचारी के साथ कथित छेड़छाड़ से जुड़ा बताया जा रहा है। आरोप है कि रेलवे सुरक्षा बल के एक इंस्पेक्टर द्वारा महिला कर्मचारी के साथ अनुचित व्यवहार किया गया, जिसके बाद रेलवे कर्मचारियों में भारी नाराज़गी फैल गई।

मिली जानकारी के अनुसार देर

रात यह मामला सामने आने के बाद रेलवे कर्मचारियों ने स्टेशन परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कर्मचारियों का कहना है कि महिला कर्मचारी के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए और संबंधित RPF अधिकारी के खिलाफ तत्काल जांच शुरू की जानी चाहिए।

यूपीएससी का परिणाम घोषित, अनुज बने देश के नए टॉपर

नई दिल्ली/सत्ता संदेश

अनुज अग्निहोत्री ने 2025 की सिविल सेवा परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। इस परीक्षा के परिणाम शुक्रवार को संघ लोक सेवा आयोग (क्रस्ट) ने घोषित किए। राजेश्वरी सुवे एम ने दूसरा स्थान और आकांश धुल ने तीसरा स्थान हासिल किया। आयोग ने बताया कि कुल 958 उम्मीदवार परीक्षा में सफल हुए हैं और उन्हें विभिन्न केंद्रीय सिविल

सेवाओं में नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया गया है। सिविल सेवा परीक्षा हर वर्ष तीन चरणों – Preliminary E&am, Main E&am and Interview – में आयोजित की जाती है। इसे UPSC द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा और भारतीय पुलिस सेवा सहित अन्य सेवाओं के लिए अधिकारियों का चयन करने के लिए आयोजित किया जाता है।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने सीएम सैनी से की मुलाकात

चंडीगढ़/सत्ता संदेश

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ मुलाकात की। कटारिया पंजाब में संवैधानिक पद पर हैं इसके बावजूद यह मुलाकात राजनीति के गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। इन दिनों पंजाब व हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। हरियाणा का बजट आ चुका है और पंजाब का बजट रविवार को पेश होगा, जिसमें महिलाओं को एक-एक हजार रुपये सम्मान भत्ता दिया जाएगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री पिछले

कुछ महीने से पंजाब में सक्रिय हैं और वहां की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी नायब सैनी का विरोध कर रही है। वहीं पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया पंजाब में नशों के विरूद्ध अभियान चलाए हुए हैं। कटारिया पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करके लोगों को नशों के विरूद्ध जागरूक कर रहे हैं। दोनों राज्यों की राजनीति इन दिनों गरमाई हुई है।

ऐसे में शुक्रवार की रात पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात करने के लिए पहुंचे। इस मुलाकात के दौरान बंद कमरे में हुई बातचीत का असल ब्यौरा बाहर नहीं आया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि संतकबीर कुटीर (मुख्यमंत्री आवास), चंडीगढ़ में पंजाब के माननीय राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया जी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री की इस पोस्ट के बाद चर्चाओं का दौर जारी है।

घर में घुस ड्रग तस्करों ने मचाया आतंक

तरनतारन/सत्ता संदेश

तरनतारन के गांव पलासौर से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां कथित ड्रग तस्करों ने खुलेआम गुंडागर्दी करते हुए एक परिवार पर हमला कर दिया। इस हमले में एक युवक को गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित परिवार ने मामले की सूचना पुलिस को दे दी है। जानकारी के अनुसार पीड़ित परिवार, जो आम आदमी पार्टी से जुड़े एक मौजूदा पंचायत मेंबर का परिवार बताया जा रहा है, ने ● शेष पृष्ठ 2 पर

हरियाणा में विधायकों को मिलेंगे डेढ़-डेढ़ करोड़ रुपये : सीएम सैनी

चंडीगढ़/सत्ता संदेश

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्री बजट बैठक से पहले सभी विधायकों को तोहफा दिया है। विधायकों को अपने विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्य पर खर्च करने के लिए जल्द डेढ़-डेढ़ करोड़ रुपये मिलेंगे। इसके लिए सरकार ने सभी विधायकों से विकास कार्यों की सूची मांग ली है। सरकार ने अनुरोध किया है कि सभी विधायक विकास कार्यों की प्राथमिकता सूची बनाकर विकास एवं पंचायत विभाग को जल्द से जल्द दें ताकि आवश्यक कार्यवाही शुरू की जा सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने साल 2025-26 के बजट में हर विधायक को अपने-अपने क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए पांच करोड़ रुपये की राशि देने का प्रावधान किया था। यह पहली बार था कि जब विधायकों को पांच करोड़ की विशेष राशि मिलनी थी। विधायकों को पूरे पांच साल के ● शेष पृष्ठ 2 पर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए

लड़कियों को सामाजिक-आर्थिक विकास में सक्रिय भागीदार बनने का किया आह्वान

लुधियाना/सत्ता संदेश

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज लड़कियों को पंजाब के सुनहरे भविष्य के निर्माण में बराबरी का भागीदार बनने का आह्वान करते हुए कहा कि शासन, अर्थव्यवस्था और राजनीति में महिलाओं की भागीदारी के बिना राज्य देश का अग्रणी राज्य नहीं बन सकता।

लुधियाना में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित

राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि किस प्रकार पंजाब सरकार उन बाधाओं को दूर कर रही है जो महिलाओं को प्रमुख क्षेत्रों से दूर रखती थीं। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में मेरिट और योग्यता के आधार पर भर्ती की जा रही है, जिसके तहत 63,000 से अधिक सरकारी नौकरियाँ दी गई हैं और इनमें से अधिकांश लड़कियों को मिली हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि अनावश्यक शर्तों को समाप्त करने के बाद अब महिलाओं के लिए अग्निशमन सेवाओं में शामिल होने का रास्ता भी खोल दिया गया है। उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं में महिला अधिकारियों की ● शेष पृष्ठ 2 पर

तमिलनाडु चुनाव में बढ़ी सियासी हलचल भाजपा भविष्य की रणनीति पर भी नजर

नई दिल्ली/सत्ता संदेश

तमिलनाडु की राजनीति इन दिनों काफी दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गई है। आगामी चुनाव में मुख्य रूप से दो बड़े गठबंधनों के बीच मुकाबला दिखाई दे रहा है। एक तरफ भाजपा और अन्नाद्रमुक का गठबंधन है, जबकि दूसरी ओर द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन है, जिसमें कांग्रेस भी शामिल है। हालांकि, इस बार चुनाव पूरी तरह से सीधा नहीं माना जा रहा, क्योंकि अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) भी मैदान में उतरकर मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश कर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, कड़े मुकाबले के बावजूद द्रमुक की स्थिति फिलहाल कुछ बेहतर दिखाई दे रही है। इसका एक कारण विपक्षी खेमे में एकजुटता की कमी भी है। भाजपा ने कोशिश की थी कि अन्नाद्रमुक के सभी गुटों को एक साथ ● शेष पृष्ठ 2 पर

बजट तैयार करने के दौरान हितधारकों ने बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया : पीएम मोदी

नई दिल्ली/सत्ता संदेश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज बजट के बाद आयोजित तीसरे वेबिनार को संबोधित किया। इस वेबिनार का मुख्य विषय 'कृषि और ग्रामीण परिवर्तन' था। प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास से संबंधित पिछले सत्रों को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट तैयार करने के दौरान हितधारकों ने बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया। श्री मोदी ने कहा कि अब बजट के बाद, यह उतना ही महत्वपूर्ण है कि देश अपनी पूरी क्षमता का लाभ उठाए और इस दिशा में आपके सुझाव और यह वेबिनार इसलिए महत्वपूर्ण हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार और देश के दीर्घकालिक विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। श्री मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) जैसे कई कार्यक्रमों पर बल दिया, जिनसे किसानों को डेढ़ गुना लाभ मिल रहा है। श्री मोदी ने कहा कि सरकार ने कृषि क्षेत्र को लगातार मजबूत किया है। मौजूदा योजनाओं की सफलता के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि 10 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्राप्त हुई है और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग 2 लाख करोड़ रुपए के बीमा दावों का निपटारा किया गया है। श्री मोदी ने कहा कि संस्थागत ऋण कवरेज 75 प्रतिशत से अधिक हो गया है। श्री मोदी ने कहा कि इन अनेक प्रयासों से किसानों के जोखिम कम हुए हैं और उन्हें बुनियादी आर्थिक सुरक्षा मिली है।

खाद्यान्न और दालों के रिकॉर्ड उत्पादन पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने 21वीं सदी की दूसरी तिमाही की शुरुआत के साथ ही इस क्षेत्र में नई ऊर्जा डालने का आह्वान किया। इस वर्ष के केंद्रीय बजट में इस दिशा में किए गए नए प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि वेबिनार की चर्चाओं से बजट प्रावधानों के कार्यान्वयन में तेजी आएगी। श्री मोदी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस वेबिनार में हुई चर्चा और उससे प्राप्त सुझाव जमीनी स्तर पर बजट प्रावधानों को यथाशीघ्र लागू करने में सहायक साबित होंगे।

प्रधानमंत्री ने वैश्विक मांग में हो रहे बदलावों और भारतीय कृषि को निर्यात-उन्मुख बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने उत्पादकता और निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए भारत की विविध जलवायु का पूर्ण उपयोग करने का आग्रह किया। श्री मोदी ने कहा कि इस वेबिनार में, हमारी कृषि को निर्यात-उन्मुख बनाने पर अधिकतम चर्चा करना आवश्यक है। उच्च मूल्य वाली कृषि पर ध्यान केंद्रित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कोको, काजू और चंदन जैसी फसलों के क्षेत्र-विशिष्ट संवर्धन के लिए बजट प्रस्तावों का विस्तृत विवरण दिया। श्री मोदी ने पूर्वोत्तर में अगरवुड और हिमालयी राज्यों में शीतोष्ण मेवों की फसलों को बढ़ावा देने के बजट प्रस्ताव पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि निर्यात उन्मुख उत्पादन से प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के माध्यम से ग्रामीण रोजगार सृजित होगा। श्री मोदी ने कहा कि यदि हम सब मिलकर उच्च मूल्य वाली कृषि का विस्तार करें, तो यह कृषि को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में बदल देगा।

प्रधानमंत्री ने वैश्विक ब्रांडिंग और गुणवत्ता मानकों को पूरा करने के लिए विशेषज्ञों, उद्योग जगत और किसानों को शामिल करते हुए एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने स्थानीय किसानों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने के महत्व पर बल दिया। श्री मोदी ने कहा कि इन सभी विषयों पर चर्चा से इस वेबिनार का महत्व और भी बढ़ जाएगा।

मत्स्य पालन क्षेत्र का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है। श्री मोदी ने आगे बताया कि हमारे विभिन्न जलाशयों और तालाबों में वर्तमान में लगभग 4.5 लाख टन मछली का उत्पादन हो रहा है।

अमित शाह ओडिशा के मुंडली में सीआईएसएफ के 57वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे

नई दिल्ली/सत्ता संदेश

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज ओडिशा के मुंडली में सीआईएसएफ के 57वें स्थापना दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने आज 890 करोड़ की लागत से छत्तीसगढ़ से जुड़े 3 आवासीय परिसरों (कामरूप, नासिक और सीहोर) का शिलान्यास और 2 आवासीय परिसरों (राजरहाट और दिल्ली) का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी, केन्द्रीय गृह सचिव और महानिदेशक, छत्तीसगढ़ सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज 56 वर्ष पूरे कर सीआईएसएफ औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में शून्य से शिखर तक पहुंची है जो बल के पुरुषार्थ की गाथा है। उन्होंने कहा कि देश, देश के मज़बूत अर्थतंत्र और भारत को दुनिया का सबसे बड़ा अर्थतंत्र बनाने की संकल्पना औद्योगिक विकास के बिना नहीं हो सकती और औद्योगिक विकास को सुरक्षित वातावरण देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक औद्योगिक सुरक्षा बल की जरूरत है।

श्री शाह ने कहा कि पिछले 56 साल में सीआईएसएफ ने न सिर्फ अपनी स्थापना के उद्देश्यों को सिद्ध किया है बल्कि हर प्रकार की चुनौतियों से सीखते हुए समय के साथ अपने आप को बदलने का प्रयास भी किया है। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ ने आधुनिकता को भी अपनाया है और परंपराओं को भी जीवित रखा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने वीरता, त्याग, बलिदान और भारत के समृद्ध इतिहास की परंपरा के साथ एकाग्रता को जोड़कर आधुनिक हथियारों से लैस होकर हर प्रकार की चुनौतियों का सामना करने का जज्बा दिखाया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि भारत के औद्योगिक विकास की संकल्पना छत्तीसगढ़ के बिना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ हमेशा राष्ट्र की ढाल बनकर मजबूती के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में गृह मंत्रालय ने निर्णय लिया है कि सारे बंदरगाहों की सुरक्षा छत्तीसगढ़ को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2 महत्वपूर्ण संकल्प देश की जनता के सामने रखे हैं - 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनना और हर क्षेत्र में पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर पहुंचना और 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना।

उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए छत्तीसगढ़ एक कैटलिस्ट की भूमिका निभा रही है। अमित शाह ने कहा कि आज यहां 890 करोड़ की 5 अलग-अलग परियोजनाओं का भूमिपूजन और लोकार्पण हुआ है। उन्होंने कहा कि राजरहाट का आवासीय परिसर और मैदानगढ़ी का आवासीय परिसर पूर्ण हो गया है जो हमारे जवानों और उनके परिजनों को सुविधा देगा।

खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया बोले : 'अवसर और दायरे को बढ़ाने का हिस्सा'

नई दिल्ली/सत्ता संदेश

पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन 26 मार्च से 6 अप्रैल के बीच छत्तीसगढ़ के तीन शहरों छ्र रायपुर, जगदलपुर और सरगुजा छ्र में किया जाएगा। इसकी घोषणा गुरुवार को केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने की।

इन खेलों में सात पदक स्पर्धाएं - एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती- शामिल होंगी। इसके अलावा दो डेमो गेम्स छ्र मल्लखंभ और कबड्डी छ्र भी आयोजित किए जाएंगे। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (KITG) में भारत के अधिकांश राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। डॉ. मांडविया ने कहा, ⌐खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स हमारे बढ़ते हुए प्रयासों का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य हर उस युवा को अवसर और मंच प्रदान करना है जो खेलना चाहता है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन का हिस्सा है, और इस यात्रा में खेलों की बहुत बड़ी भूमिका है। पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (KITG) का लोगो, थीम सॉन्ग और मैस्कॉट 23 दिसंबर को बिलासपुर के स्वर्गीय बी. आर. यादव स्पोर्ट्स स्टेडियम में औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया था। इस समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव भी उपस्थित थे। डॉ. मांडविया ने इस बात पर जोर दिया कि ये खेल आदिवासी क्षेत्रों से उभर रही प्रतिभाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

वैश्विक अनिश्चितताओं में प्रासंगिकता और तैयारी का एकमात्र तरीका आत्मनिर्भरता है : रक्षा मंत्री

नई दिल्ली/सत्ता संदेश

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 6 मार्च, 2026 को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड और एक निजी मीडिया संगठन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित रक्षा और समुद्री संवाद %सागर संकल्प - भारत की समुद्री गौरव की पुनः प्राप्ति% का उद्घाटन करते हुए कहा, ⌐अनिश्चितता के वर्तमान युग में प्रासंगिकता और तैयारी का एकमात्र रास्ता आत्मनिर्भरता ही है।÷ उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान वैश्विक स्थिति के कारण आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्निर्माण, नए समीकरणों का निर्माण और समुद्री गतिविधियों में निरंतर वृद्धि हुई है, जो हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के सरकार के संकल्प की पुष्टि करता है।

रक्षा मंत्री ने कहा, पुराने विचार, पुरानी वैश्विक व्यवस्था और पुरानी धारणाएं तेजी से बदल रही हैं। ये वो अनिश्चितताएं हैं जिन्हें हमें समझना होगा। मध्य-पूर्व की वर्तमान स्थिति इसका एक प्रमुख उदाहरण है। वहां जो हो रहा है वह काफी असामान्य है। मध्य-पूर्व या हमारे पड़ोस में भविष्य में होने वाली घटनाओं के बारे में ठोस टिप्पणी करना मुश्किल है। होर्मुज जलडमरूमध्य या पूरा फारस की खाड़ी क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। जब इस क्षेत्र में अशांति होती है, तो इसका सीधा असर तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ता है।

इसके अलावा, हम अन्य क्षेत्रों में भी आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान देख रहे हैं। इन अनिश्चितताओं का अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार पर सीधा प्रभाव पड़ता है। वैश्विक परिदृश्य एक असामान्य स्थिति में है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि यह असामान्य स्थिति ही अब नए सिरे से सामान्य बनती जा रही है।÷

श्री राजनाथ सिंह ने ⌐तकनीकी गतिशीलता÷ को आज की दुनिया का एक और महत्वपूर्ण तत्व बताते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी जीवन के हर क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव ला रही है, और रक्षा क्षेत्र में यह और भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रक्षा क्षेत्र में उच्च स्तरीय और सटीक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार उभरती और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने के लिए रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य रखती है।

रक्षा मंत्री ने रक्षा उत्पादन को गुणात्मक और मात्रात्मक रूप से मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा लागू किए गए संरचनात्मक और नीतिगत सुधारों का विस्तृत विवरण दिया, जिसमें पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन, निष्पादन के मानकीकरण और अनुसंधान एवं विकास पर विशेष जोर दिया गया।

एम्स से आईजीएच : चिकित्सक की पर्ची को संभावनाओं में बदलते युवा फार्मासिस्ट

नई दिल्ली/सत्ता संदेश

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के व्यस्त परिसर के भीतर, प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (पीएमबीजेपी) में बदलाव की एक शांत लेकिन दृढ़ अंतर्धारा का अनुभव किया जा सकता है। अस्पताल के लंबे गलियारों और चिंतित मनोभावों के बीच युवा फार्मासिस्ट आश्वासन के स्तंभ के रूप में उपस्थित हैं और वे चिकित्सक द्वारा निर्धारित औषधि के माध्यम से रोगियों को स्वस्थ और आर्थिक दोनों तरह का लाभ उपलब्ध करा रहे हैं।

एक युवा वरिष्ठ फार्मासिस्ट के रूप में संगीता अक्टूबर 2024 में केंद्र खुलने के बाद से जनऔषधि मिशन का हिस्सा रही हैं। वह लोगों की सेवा करने की इच्छा के साथ जनऔषधि केंद्र में शामिल हुईं। हर सुबह, वह नए समर्पण के साथ केंद्र पहुंचती हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार रहती हैं।

वह अपनी दिनचर्या से जुड़े एक मार्मिक दृश्य को साझा करते हुए बताती हैं : जब रोगी हाथ में डॉक्टर का पर्चा लेकर केंद्र आते हैं, तो वे अक्सर थके हुए और चिंतित दिखते हैं। जैसे ही वे पर्चा सौंपते हैं, उनकी आंखों में एक मूक डर झलकता है कि दवाओं की कीमत उनकी जेब पर बोझ डाल सकती है, लेकिन जैसे ही उन्हें सस्ती कीमतों के बारे में जानकारी मिलती है, ऐसा लगता है कि उनका आधा तनाव दूर हो गया है। उनकी आंखें चमक उठती हैं, और वे मुस्कुराते हुए चले जाते हैं। यहीं मुस्कान हमें आशा प्रदान करती है।

केंद्र हर दिन लगभग 150-200 ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। सुबह विशेष रूप से भीड़ होती है, लंबी कतारें जल्दी बन जाती हैं। संगीता के साथ-साथ, स्टाफ के सदस्य, अधिकांश युवा, सुचारू सेवा सुनिश्चित करने, पर्चे की जांच करने, दवाइयों का प्रबंधन करने, दवाओं के लिए बिलिंग करने के साथ-साथ धैर्यपूर्वक रोगियों का मार्गदर्शन करने के लिए अथक प्रयास करते हैं। दिनचर्या ेे यसे ता है, लेकिन उद्देश्य संकल्प पूर्ण है÷ सभी के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा।

केंद्र ने मिजोरम में ग्राम परिषदों को मजबूत करने के लिए 15वें वित्त आयोग के अनुदान जारी किए

नई दिल्ली/सत्ता संदेश

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान मिजोरम के ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) को पंद्रहवें वित्त आयोग (XV एफसी) के अनुदान के रूप में 14.80 करोड़ रुपये जारी किए हैं। यह राशि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अप्रतिबंधित अनुदान की पहली किस्त है और इससे राज्य की सभी पात्र 816 ग्राम परिषदों को लाभ मिलेगा।

भारत सरकार पंचायती राज मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग) के माध्यम से ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) के लिए राज्यों को पंद्रहवें वित्त आयोग के अनुदान जारी करने की सिफारिश करती है, जिसे वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किया जाता है। आवंटित अनुदान एक वित्तीय वर्ष में दो किस्तों में जारी किए जाते हैं। अबंधित अनुदानों का उपयोग आरएलबी द्वारा संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में निहित 29 विषयों के अंतर्गत, वेतन और अन्य स्थापना लागतों को छोड़कर, स्थान-विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए किया जाएगा। बंधित अनुदानों का उपयोग (क) स्वच्छता और खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) स्थिति के रखरखाव के लिए किया जा सकता है, जिसमें घरेलू अपशिष्ट प्रबंधन एवं उपचार, विशेष रूप से मानव मल और मल कीचड़ प्रबंधन शामिल होना चाहिए और (ख) पेयजल आपूर्ति, वर्षा जल संचयन और जल की रिसाइकिलिंग जैसी बुनियादी सेवाओं के लिए किया जा सकता है।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय, MY Bharat के साथ मिलकर, राष्ट्रव्यापी डिजिटल अभियान VB-G RAM G Youth Digital Campaign की शुरुआत

नई दिल्ली/सत्ता संदेश

भारत सरकार का ग्रामीण विकास मंत्रालय, MY Bharat के साथ मिलकर कल से एक राष्ट्रव्यापी डिजिटल अभियान "VB-G RAM G Youth Digital Campaign" की शुरुआत करने जा रहा है, जिसका उद्देश्य विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) : VB-G RAM G (विकसित भारत-जी राम जी) अधिनियम, 2025÷ के प्रति व्यापक जन-जागरूकता सुनिश्चित करना है। इस अभियान को विकसित भारत-जी राम जी- युवा शक्ति,पंचायत की प्रगति नाम दिया गया है। इस अभियान में युवाओं को केंद्र में रखते हुए उन्हें क्रिज़, वीडियो चैलेंज तथा रचनात्मक प्रतियोगिताओं जैसी सहभागितापूर्ण गतिविधियों से जोड़ना और डिजिटल जन-आंदोलन का रुप प्रदान करना है।

इसके तहत 6 मार्च 2026 से "60 Seconds for My Village" नाम से एक राष्ट्रीय स्तर की शॉर्ट वीडियो/रील/एनिमेटेड वीडियो प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जा रहा है। यह पहल युवाओं को अपने गांव के विकास, रोजगार सृजन एवं आजीविका संवर्धन में अधिनियम की भूमिका को रचनात्मक रुप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगी।

यह प्रतियोगिता 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के लिए है। प्रतिभागी 30 से 60 सेकंड की अवधि का वीडियो किसी भी भारतीय भाषा में तैयार कर MY Bharat पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। प्रत्येक प्रतिभागी केवल एक प्रविष्टि जमा कर सकेगा। वीडियो मोबाइल फोन, कैमरा अथवा एनिमेशन टूल्स की सहायता से बनाया जा सकता है। युवा प्रतिभागी, अधिनियम के उद्देश्य एवं प्रमुख विशेषताएं, ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका सृजन में इसके लाभ, गांव के विकास एवं परिवर्तन में इसकी भूमिका, युवाओं एवं महिलाओं के लिए अवसर, विकसित भारत -2047 के लक्ष्य को हासिल करने में अधिनियम के योगदान तथा ⌐मेरा गांव, मेरा भविष्य÷ - आत्मनिर्भर एवं विकसित गांव की परिकल्पना तथा ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने के नवाचार जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति भी दे सकते हैं।

प्रतियोगिता में सभी पात्र प्रतिभागियों को डिजिटल सहभागिता प्रमाणपत्र दिया जाएगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र इत्यादि दिए जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने दृढ़ता और परिश्रम के महत्व को दर्शाते हुए संस्कृत सुभाषितम् साझा किया

नई दिल्ली/सत्ता संदेश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत के लोग अपने दृढ़ संकल्प से सबसे कठिन कार्यों को भी संभव बना देते हैं। उन्होंने कहा है कि सही दिशा में अथक प्रयास करके वे बड़े से बड़े लक्ष्य भी हासिल कर लेते हैं। इसका संदेश है कि लक्ष्य चाहे कितना ही दूर, कठिन या पहुंच से बाहर क्यों न लगे, अटल संकल्प और निरंतर परिश्रम से उसे प्राप्त किया जा सकता है। दृढ़ता और धैर्य ही वे शक्तियां हैं जो असंभव को संभव बनाती हैं। भारत के लोग अपने दृढ़ निश्चय से किसी भी कार्य को संभव बना देते हैं। सही दिशा में अपनी अथक मेहनत से वे बड़े से बड़े लक्ष्य को भी हासिल कर दिखाते हैं।

पृष्ठ एक का शेष

पंजाब सरकार...

मर्डर केस में शामिल होने का आरोप लगाया और कहा कि पुलिस अपने विधायकों को बचाने के लिए स्वहकदर्ज नहीं कर रही है।

सुखपाल खैहरा ने पंजाब के बढ़ते कर्ज पर चिंता जताई और कहा कि पिछले चार सालों में 1.5 लाख करोड़ रुपये का नया कर्ज हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री के पद पर कब्जा किया हुआ है और राज्य में गैर-पंजाबी राज कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब का पैसा दूसरे राज्यों में विज्ञापन पर बर्बाद किया जा रहा है। खैहरा ने पंजाब के लोगों से इस सरकार के कथित जुल्म के खिलाफ जागने और एकजुट होने की अपील की।

हम ट्रंप...

कहा कि अमेरिकी नेतृत्व को यह समझना चाहिए कि ईरान को दबाने या डराने की कोशिश अब काम नहीं करेगी। उनका कहना था कि अमेरिका को अब यह स्वीकार करना होगा कि वह ईरान के खिलाफ अहंकारी और आक्रामक रवैया नहीं अपना सकता।

डबल मर्डर...

आरोपियों के खिलाफ रोहित के बयान पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने काबू किए आरोपियों की पहचान जसप्रीत सिंह उर्फ यश, लखविंदर सिंह उर्फ विशाल व हरिंदर सिंह उर्फ गोल्डी व फरार आरोपियों की पहचान जसविंदर सिंह, हरिंदर सिंह तथा उनके अज्ञात साथियों के रूप में की है। पुलिस ने आरोपियों की बोलैरो भी जब्त कर ली। इंस्पैक्टर वरिंदरपाल ने बताया कि आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है और आरोपियों से उनके अन्य साथियों के बारे में पता लगाया जा रहा है।

ट्रक ने स्कूटी...

होली के उत्सव के चलते उसके पास आई थी, वह पिछले 15 साल से लुधियाना में निजी फैक्टरी में काम करता है। उसकी बेटी को वापस गांव जाना था, क्योंकि उसका फाइनल पेपर था। वह उसको ट्रेन में चढ़ाने के लिए रेलवे स्टेशन पर जा रहा था कि रास्ते में ट्रक ड्राइवर ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। मामले की जांच कर रहे अधिकारी ने बताया कि आरोपी ट्रक ड्राइवर की तलाश जारी है।

अब 21 दिन...

को गैस डिलीवरी में कोई परेशानी नहीं होगी। यह अस्थायी व्यवस्था तब तक लागू रहेगी जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते।

भीषण धमाके...

मामूली धमाका नहीं था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुबह-सुबह अचानक एक कान फोड़ देने वाली आवाज हुई जिससे आसपास की इमारतों की खिड़कियों के कांच थरथराने लगे। एक निवासी ने बताया, ⌐मैं घर के अंदर था कि अचानक पूरा फर्श हिलने लगा लगा जैसे कोई बड़ा बम फटा हो।÷ धमाके के तुरंत बाद आसमान में धुएं का गुबार देखा गया जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

घर में घुस...

आरोप लगाया कि गांव में कुछ लोग नशा तस्करी का धंधा करते हैं। जब परिवार ने इस गैर-कानूनी गतिविधि का विरोध किया तो आरोपियों ने गुस्से में उनके घर पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने घर में घुसकर तोड़फोड़ की और परिवार को डराने की कोशिश की। इसी दौरान एक आरोपी ने गोलियां चला दीं, जिनमें से एक गोली पंचायत मेंबर के भाई को लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

हरियाणा में...

कार्यकाल में पांच करोड़ रुपये मिलने हैं। पहली किस्त व दूसरी किस्त में डेढ़-डेढ़ करोड़ और तीसरी किस्त में दो करोड़ दिए जाएंगे। इसमें प्रावधान किया गया है कि अगली किस्त तभी जारी होगी जब पिछली किस्त की 70 फीसदी राशि इस्तेमाल हो चुकी होगी। यह राशि विधायकों को मिलने वाली अन्य राशि से अलग होगी।

लड़कियों को...

बढ़ती संख्या का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने लड़कियों से राजनीति में आने और निर्णय-निर्माण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील करते हुए कहा कि मजबूत लोकतंत्र और प्रगतिशील पंजाब का सपना तभी साकार होगा जब महिलाएँ सार्वजनिक नीति और नेतृत्व में केंद्रीय भूमिका निभाएँगी।

तमिलनाडु चुनाव...

लाकर मजबूत चुनौती पेश की जाए, लेकिन यह प्रयास पूरी तरह सफल नहीं हो पाया। अन्नाद्रमुक के नेता ई. पलानीस्वामी अपने रुख पर अड़े रहे, जिसके कारण पार्टी के अलग-अलग गुटों को पूरी तरह एकजुट नहीं किया जा सका। वहीं, अन्नाद्रमुक के एक अन्य धड़े के नेता ओ. पनीरसेल्वम द्रमुक के साथ जुड़ गए हैं। इसके अलावा शशिकला भी अलग से चुनाव लड़ रही हैं।

युवक को गोली...

सिंह खहिरा और थाना पायल के एसएचओ तरविंदर कुमार बेदी पुलिस पार्टी के साथ तुरंत मौके पर पहुंच गए और मामले की जांच शुरू कर दी।

पुलिस अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण करते हुए सबूत इकट्ठा करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा घटना से जुड़े हर पहलू से जांच की जा रही है ताकि हत्या के असली कारणों का पता लगाया जा सके।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है और जल्द ही सभी तथ्यों को सामने लाया जाएगा। इस घटना के बाद इलाके में भय का माहौल बना रहा है और लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के पीछे के असली कारणों को सार्वजनिक रूप से बताया जा सकेगा।

राहुल गांधी पूर्व सैनिकों के हक में आए आगे

कहा, देश सेवा करने वालों को उपेक्षित महसूस कराना दुखद

नई दिल्ली/सत्ता संदेश

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ई.सी.एच.एस.) के लिए प्रयाप्त बजट का आवंटन और विकलांगत पेंशन पर आयकर की छूट को बहाल किया जाए। कांग्रेस नेता ने वित्त मंत्री को गत 25 फरवरी को यह पत्र लिखा और यह उल्लेख किया कि पूर्व सैनिक इन दोनों मामलों के कारण मुश्किल का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, %भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना आज धन की कमी के संकट का सामना कर रही है। चिकित्सा बिल के रूप में 12,000 करोड़ रुपये से अधिक लंबित हैं और अस्पताल भुगतान न करने के कारण इस योजना से बाहर निकल रहे हैं। पूर्व सैनिकों को कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अपनी जेब से भुगतान करने या यहां तक कि इलाज में देरी के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिन लोगों ने देश की सेवा की वे संकट की घड़ी में खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं।' उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि इसके अलावा, वित्त विधेयक 2026 में सैनिक को सेवा में बनाए रखने पर दिव्यांग पेंशन पर कर लगाने का प्रस्ताव है।

राहुल गांधी ने कहा कि 1922 के बाद यह पहली बार है कि दिव्यांग पेंशन पर कर लगाया जा रहा है। यह पेंशन उन सैनिकों को राहत प्रदान करने के लिए है जो घायल हो जाते हैं और इसे आय के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। इसके अलावा, जब कोई दिव्यांग सैनिक सेवा में बने रहने का विकल्प चुनता है या उससे अनुरोध किया जाता है तो वह चोट के बावजूद निस्वार्थ भाव से भारत की सेवा करता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जिस चीज़ की प्रशंसा की जानी चाहिए उस पर कर लगाना अपमानजनक है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व सैनिकों के एक प्रतिनिधिमंडल से मेरी मुलाकात हुई और उन्होंने इन मुद्दों की ओर मेरा ध्यान आकर्षित किया। अपनी ही सरकार द्वारा अपमानित किए जाने की उनकी भावनाओं को सुनना दुखद था। राहुल गांधी ने कहा, मुझे यकीन है कि आप इस बात से सहमत होंगी कि सशस्त्र बलों में सेवा करने वाले हमारे भाई-बहन कृतज्ञ राष्ट्र के हर सहयोग के पात्र हैं। इसलिए, मैं आपसे पर्याप्त बजट समर्थन के साथ सभी लंबित ईसीएचएस देनदारियों को चुकाने और दिव्यांग पेंशन पर पूर्ण आयकर छूट बहाल करने का आग्रह करता हूं।'

पंजाब को दिवालियापन की ओर धकेलने को लेकर राज्य सरकार को बडिंग ने दी चेतावनी

चंडीगढ़/सत्ता संदेश

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने राज्य को दिवालियेपन की ओर

धकेलने और 2027 की शुरुआत में बनने वाली अगली सरकार के लिए भारी वित्तीय बोझ पैदा करने के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को चेतावनी दी। राजा वडिंग ने राज्य सरकार के उन प्रस्तावित सुझावों पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिनमें बिना किसी विश्वसनीय स्रोत के भारी वित्तीय निहितार्थ हैं, आगाह किया कि आप सरकार, जो जानती है कि यह उसके कार्यकाल का आखिरी साल है और उसके वापस आने की कोई संभावना नहीं है, पंजाब को आगामी सरकार के लिए एक वित्तीय संकट में छोड़ रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि %आप' अपने पुराने फॉर्मूले को दोहराने की कोशिश कर रही है, जिसमें बिना किसी मंशा के वादे किये जाते हैं। उन्होंने उदाहरण दिया कि जिस तरह सरकार ने राज्य की हर महिला को 1000 रुपये देने का वादा किया था, लेकिन आज तक नहीं निभाया, अब वह भारी वित्तीय देनदारियों वाली ऐसी ही अन्य योजनाएं प्रस्तावित कर रही है। राजा वडिंग ने कहा कि राज्य के पास लंबित ऋणों का ब्याज चुकाने के लिए भी पर्याप्त पैसा नहीं है, ऐसे में सरकार अपनी नयी योजनाओं के लिए पैसा कहां से लाएगी?

पंजाब में रेलवे विकास परियोजनाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं : रवनीत सिंह बिट्टू

पठानकोट/चंडीगढ़/सत्ता संदेश

केंद्रीय राज्य मंत्री (रेलवे एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग) रवनीत सिंह बिट्टू ने घोषणा की कि पंजाब में रेलवे विकास परियोजनाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं है। पंजाब के लिए वार्षिक रेलवे बजट आबंटन अब 2009-2014 की अवधि की तुलना में लगभग 25 गुना बढ़कर 5,673 करोड़ रुपए हो गया है। वर्तमान में राज्यभर में 26,382 करोड़ की अवसंरचना परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जिनमें नई रेल लाइन बिछाना, स्टेशन पुनर्विकास, सुरक्षा उन्नयन उपाय और क्षमता वृद्धि से संबंधित अन्य कार्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राज्य के 30 रेलवे स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास अमृत भारत स्टेशन स्कीम के अंतर्गत 1,311 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। उन्होंने दिल्ली से अंबाला के बीच तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के निर्माण को मंजूरी देने की सराहना की। 194 किलोमीटर लंबी इस परियोजना की अनुमानित लागत 5,983 करोड़ रुपए है और इसे 4 वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य है। उन्नत कॉरिडोर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा, श्रीनगर, जम्मू और शिमला जैसे प्रमुख तीर्थ और पर्यटन स्थलों तक कनैक्टिविटी बेहतर होगी, जिससे पर्यटन और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा। रवनीत बिट्टू ने जालंधर कैंट-पठानकोट (जे. आर. सी.- पी.टी.के.सी.). सैक्शन पर मीरथल रेलवे स्टेशन के निकट नालुंगा (कि.मी. 94.030) पर रोड अंडरब्रिज (आर. यू.बी.) के निर्माण कार्य की शुरुआत की भी घोषणा की। जम्मू डिवीजन द्वारा इस कार्य को संशोधित लागत 18.28 करोड़ रुपए पर प्रस्तावित किया गया है। नैरोगेज लाइन पर यातायात समस्या के संबंध में उन्होंने बताया कि इस खंड में 12 लैवल क्रॉसिंग गेट हैं, जहां उच्च ट्रैफिक वाहन इकाइयां (टी.वी.) बहुत कम दूरी (100-200 मीटर) पर स्थित हैं और यह क्षेत्र घनी आबादी वाले नगर क्षेत्र में आता है।

दीर्घकालीक समाधान के रूप में पठानकोट जंक्शन से 10 किलोमीटर दूर स्थित डी. एल. एस. आर. के विकास का प्रस्ताव है, जहां पर्याप्त भूमि उपलब्ध है और लैवल क्रॉसिंग भी कम हैं, जिससे शहरी हस्तक्षेप न्यूनतम रहेगा। पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास पर बिट्टू ने कहा कि एकीकृत पुनर्विकास के लिए व्यवहार्यता अध्ययन, मास्टर प्लानिंग, शहरी डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग तथा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी.पी.आर.) तैयार करने के लिए तकनीकी परामर्श का प्रस्ताव किया गया है।

आज दुनिया का हर बड़ा निवेशक उत्तर प्रदेश आना चाहता है : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/सत्ता संदेश

■ **कहा, विदेशी निवेश किसी परिवार के लिए नहीं, राज्य के कल्याण के लिए**

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि जर्मनी, जापान और सिंगापुर सहित दुनिया के अन्य देशों से आने वाला निवेश किसी परिवार को नहीं, बल्कि राज्य को लाभ पहुंचाएगा और यहां के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करेगा। लखनऊ में 1.86 करोड़ उज्ज्वला लाभार्थियों को गैस सिलेंडर पुनर्भरण सब्सिडी वितरण के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने ये बातें कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा, %हमारे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कल ही जर्मनी से लौटे हैं। उन्हें राज्य में निवेश की संभावनाओं और निर्माणाधीन रक्षा विनिर्माण गलियारे का जायजा लेने का अवसर मिला।' पिछली सरकारों से तुलना करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की ओर कोई तिरछी नजर से भी नहीं देखता था, लेकिन आज दुनिया का हर बड़ा निवेशक यहां आना चाहता है। उन्होंने कहा, %निवेशक जानते हैं कि

वर्तमान सरकार उन्हें सुरक्षा प्रदान कर सकती है और निर्णायक फैसलों के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान कर सकती है।' मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि विदेशी निवेश से होने वाला बदलाव किसी के व्यक्तिगत परिवार को लाभ पहुंचाने के लिए नहीं है। उन्होंने कहा, जर्मनी या जापान से आने वाले निवेश से केशव के परिवार को व्यक्तिगत लाभ नहीं होगा।

राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा में बड़े बदलाव की सुगबुगाहट तेज

नए रंग रूप में नजर आएगा संगठन, युवाओं व महिलाओं को मिलेगी तरजीह

जालंधर/सत्ता संदेश

भारतीय जनता पार्टी में संगठनात्मक स्तर पर बड़े बदलाव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नए और अपेक्षाकृत युवा नेतृत्व के आने के बाद अब केंद्रीय संगठन को भी नए ढंग से आकार देने की तैयारी चल रही है। सूत्रों के अनुसार आने वाले समय में पार्टी के शीर्ष पदों पर व्यापक फेरबदल देखने को मिल सकता है, जिसमें बड़ी संख्या में नए चेहरों को मौका दिए जाने की संभावना है। सूत्रों का कहना है कि संगठन को अधिक सक्रिय और चुनावी दृष्टि से मजबूत बनाने के उद्देश्य से लगभग 40 राष्ट्रीय पदाधिकारियों में से करीब 60 प्रतिशत नए चेहरे शामिल किए जा सकते हैं। इस प्रक्रिया में राज्यों से भी नेताओं को केंद्रीय संगठन में लाने की तैयारी है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही, सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों का संतुलन बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। पार्टी के अंदरूनी हलकों में यह से अधिक चेहरों को बदला जा भी चर्चा है कि मौजूदा टीम के आधे सकता है या उन्हें नई जिम्मेदारियां दी जा सकती हैं। सचिव पदों पर बदलाव की संभावना विशेष रूप से महासचिव

और अधिक मानी जा रही है। वाले कुछ पदाधिकारियों को संगठन वहीं, 60 वर्ष से अधिक आयु में सलाहकार या अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं में समायोजित किया जा सकता है। इसके अलावा महिला प्रतिनिधित्व को लेकर भी पार्टी गंभीर नजर आ रही है। संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप महिला पदाधिकारियों की संख्या बढ़ाने पर में उनकी भागीदारी और प्रभाव दोनों जोर दिया जा रहा है, ताकि संगठन को मजबूत किया जा सके। इससे पार्टी की छवि को व्यापक और में भी देखा जा रहा है। समावेशी बनाने की कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह बदलाव आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। पार्टी चाहती है कि संगठन में नई ऊर्जा, नए विचार और जमीनी स्तर पर सक्रिय नेतृत्व को आगे लाया जाए।

हालांकि, आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन पार्टी के भीतर कई स्तरों पर इस संभावित फेरबदल को लेकर चर्चा तेज हो चुकी है।

कुल मिलाकर, भाजपा संगठन में होने वाले ये संभावित बदलाव पार्टी की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माने जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य संगठन को अधिक चुस्त, प्रभावी और भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार करना है।

संक्षिप्त खबरें

तीन साल बाद फिर से दौड़ेगी पठानकोट-जोगिंद्रनगर ट्रैक पर ट्रेन, टॉय ट्रेन की सुनाई देगी अब फिर से सीटी

कांगड़ा/सत्ता संदेश : कांगड़ा घाटी के निवासियों और पर्यटकों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। साल 2022 की भीषण आपदा में क्षतिग्रस्त हुए चक्की रेलवे पुल का पुनर्निर्माण पूरा हो गया है। कमिश्नर रेलवे सेफ्टी ने पुल का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद इसे ट्रेनों के संचालन के लिए सुरक्षित घोषित करते हुए अपनी मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही पठानकोट और जोगिंदरनगर के बीच वर्षों से बंद पड़ी रेल सेवा की वापसी का रास्ता साफ हो गया है। लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह नया पुल अत्याधुनिक इंजीनियरिंग मानकों पर खरा उतरा है। कमिश्नर रेलवे सेफ्टी (नॉर्दर्न सर्कल) दिनेश देसवाल की अध्यक्षता में विशेषज्ञों की टीम ने पुल की भार वहन क्षमता, ट्रैक की मजबूती और सुरक्षा मानकों की कड़ी जांच की। सभी परीक्षणों में संरचना को संतोषजनक पाए जाने के बाद इसे हरी झंडी दे दी गई है। वर्ष 2022 में मानसून के दौरान चक्की दरिया में आई विनाशकारी बाढ़ ने पुराने पुल को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया था। इस आपदा के कारण पंजाब और हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा घाटी के बीच रेल संपर्क पूरी तरह कट गया था। पिछले तीन वर्षों से रेल मार्ग बंद होने का सीधा असर क्षेत्र के पर्यटन, स्थानीय व्यापार और आम नागरिकों की आवाजाही पर पड़ा था।

दिल्ली की सड़कों पर 37 साल बाद उतरेंगी इलैक्ट्रिक 'डबल डेकर बसें', पर्यटन के मद्देनजर शुरू होगी उक्त सेवा

नई दिल्ली/सत्ता संदेश : दिल्ली की सड़कों पर करीब 37 साल बाद एक बार फिर डबल डेकर बसें दौड़ती नजर आएंगी। यह ऐतिहासिक बसें नए और आधुनिक इलैक्ट्रिक अवतार में वापसी कर रही हैं। इससे न सिर्फ दिल्ली की पुरानी यादें ताजा होंगी, बल्कि पर्यटन को भी नई रफ्तार मिलेगी। दिल्ली में डबलडेकर बसें आखिरी बार वर्ष 1989 तक चली थीं। इसके बाद बढ़ते ट्रैफिक, सड़कों की संरचना और संचालन लागत के चलते इन्हें बंद कर दिया गया था। अब एक बार फिर इन्हें राजधानी की सड़कों पर उतारने की तैयारी पूरी कर ली गई है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, इन डबल डेकर बसों का संचालन दिल्ली दर्शन और हैरिटेज सर्किट के तहत किया जाएगा। बसें राजधानी के प्रमुख ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन स्थलों से होकर गुजरेंगी। ऊपरी मंजिल से दिल्ली को देखने का अनुभव सैलानियों के लिए खास आकर्षण होगा। नई डबल डेकर बसें पूरी तरह इलैक्ट्रिक होंगी, जिससे प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। बसों में आधुनिक सुविधाएं, आरामदायक सीटें, बड़ी खिड़कियां और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी इन्हें सुरक्षित और सुविधाजनक बनाया गया है।

गैंगस्टर वर्ल्ड में नए गठजोड़ की आहट : लॉरेंस से अलग हुआ हाशिम बाबा, कानून व्यवस्था के लिए बड़ा इम्तिहान

नई दिल्ली/सत्ता संदेश : गैंगस्टर वर्ल्ड की सियासत में बड़ा फेरबदल सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई से दूरी बनाकर हाशिम बाबा ने अब काला जठेड़ी से हाथ मिला लिया है। सुरक्षा एजैंसियों को मिली खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट में कहा गया है कि लारेंस गैंग की कमान अब टारसन के हाथों में चली गई है। एजैंसियां पूरे नैटवर्क की कुंडली खंगालने में जुटी हैं। जानकारों का कहना है कि गैंगस्टर वर्ल्ड में बदले समीकरणों ने सुरक्षा एजैंसियों की चुनौती बढ़ा दी है। हाशिम बाबा-काला जठेड़ी गठजोड़ और टारसन की बढ़ती भूमिका आने वाले समय में कानून व्यवस्था के लिए बड़ा इम्तिहान साबित हो सकती है। दिल्ली-एन.सी.आर. में बढ़ी चौकसी सूत्र बताते हैं कि लारैंस के लिए पहले भी कई बड़ी वारदातों की साजिशें रची गई थीं। हाशिम बाबा लॉरेंस का करीबी माना जाता रहा है, लेकिन हालिया घटनाक्रम में दोनों के रास्ते अलग होते दिख रहे हैं। जांच एजैंसियों का दावा है कि गैंग की अंदरूनी खींचतान और बदलते समीकरणों ने नए गठजोड़ को जन्म दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार दिल्ली-एन.सी.आर. में संभावित गैंगवार और संगठित अपराध की आशंका को देखते हुए सतर्कता बढ़ा दी गई है।

'राजीव गांधी' का नाम पटियाला की लॉ यूनिवर्सिटी से हटेगा! अकादमिक काउंसिल ने की सिफारिश,

पटियाला/सत्ता संदेश : पंजाब के पटियाला स्थित राजीव गांधी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ (आर.जी.एन.यू.एल.) की अकादमिक काउंसिल ने विश्वविद्यालय के नाम से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम हटाने की सिफारिश की है। इस प्रस्ताव पर स्थानीय कांग्रेस सांसद डॉ. धर्मवीर गांधी ने आपत्ति जताई है। आरजीएनयूएल का नाम बदलकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी करने की सिफारिश की गई है। कुलपति प्रो. जयशंकर सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि प्रस्ताव को अकादमिक काउंसिल ने मंजूरी दे दी है और इसे विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद तथा पंजाब सरकार के पास अनुमोदन के लिए भेजा गया है। पटियाला के सांसद गांधी ने बैठक की कार्यवाही की प्रति साझा करते हुए इस कदम को पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं के ध्रुवीकरण का सुनियोजित प्रयास बताया। उन्होंने कहा, यह सिफारिश राजनीतिक मंशा से प्रेरित प्रतीत होती है, क्योंकि यह विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आई है। आम आदमी पार्टी, शिरोमणि अकाली दल और भाजपा सस्ते राजनीतिक लाभ के लिए एकजुट हो रहे हैं। भाजपा का वैचारिक स्रोत आरएसएस देशभर में कांग्रेस की विरासत से जुड़े संस्थानों के नाम बदलने और इतिहास को व्यवस्थित रूप से बदलने का प्रयास कर रहा है।'

हिमाचल बना पक्षियों की 357 प्रजातियां रिकॉर्ड की गईं

■ **अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वार्षिक पक्षी गणना में देशभर में मिला 8वां स्थान**

शिमला/सत्ता संदेश

हिमाचल प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वार्षिक पक्षी गणना कार्यक्रम ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काऊंट (जी.बी.बी.सी. 2026) में इस वर्ष कुल 357 पक्षी प्रजातियां रिकॉर्ड की गई, जो राज्य की समृद्ध जैव विविधता को दर्शाती हैं। इससे पहले वर्ष 2024 में 322 प्रजातियां तथा वर्ष 2025 में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वार्षिक पक्षी गणना पक्षियों की 326 प्रजातियां रिकॉर्ड की गई थीं।

भारत में आयोजित इस गणना अभियान में 1090 पक्षी प्रजातियां दर्ज की गई, जिनमें से 357 प्रजातियां अकेले हिमाचल प्रदेश में पाई गई। इस उपलब्धि के साथ हिमाचल प्रदेश को देशभर में 8वां स्थान प्राप्त हुआ। इसके अलावा

प्रदेश सभी 12 जिलों में पक्षी गणना करवाने वाला देश का पहला राज्य बना। यह कार्यक्रम 13 से 16 फरवरी तक विश्वभर में आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों, विद्यार्थियों और प्रकृति प्रेमियों को पक्षी गणना से जोड़ना तथा जैव विविधता संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

प्रदेश में यह आयोजन वन विभाग हिमाचल प्रदेश, ई. बर्ड इंडिया और बर्ड काऊंट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में 12 जिलों में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 180 से अधिक वन अधिकारियों, जीवविज्ञानियों, पक्षी विशेषज्ञों, महाविद्यालयों के विद्यार्थियों और स्थानीय पक्षी प्रेमियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रतिभागियों ने प्रदेश के विभिन्न बर्डिंग हॉटस्पॉट्स में जाकर पक्षियों का अवलोकन किया और प्रजातियों का विवरण ई. बर्ड पोर्टल पर दर्ज किया। जीबीबीसी 2026 के ई. बर्ड समन्वयक संतोष कुमार ठाकुर ने बताया कि प्रदेश पिछले 10 वर्षों से इस कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित कर रहा है और अब तक ई. बर्ड के माध्यम से 640 पक्षी प्रजातियां दर्ज की जा चुकी हैं।

सिरमौर में अधिक, लाहौल-स्पिति में सबसे कम प्रजातियां

हिमाचल प्रदेश में पक्षियों की सबसे अधिक प्रजातियां जिला सिरमौर में तथा सबसे कम प्रजातियां जिला लाहौल-स्पिति में पाई गई हैं। जिला सिरमौर में पक्षियों की 192 तथा जिला लाहौल-स्पिति में 38 प्रजातियां पाई गई हैं। इसके अलावा पक्षियों की जिला कांगड़ा में 257, चम्बा में 142, मंडी में 130, सोलन में 128, हमीरपुर में 95, शिमला में 93, कुल्लू में 92, बिलासपुर में 82, ऊना में 70 तथा जिला किन्नौर में पक्षियों की 54 प्रजातियां रिकॉर्ड की गई हैं।

दिल्ली विधानसभा की समिति के समक्ष पेश हुए पंजाब सरकार के तीन वरिष्ठ अधिकारी

नई दिल्ली/सत्ता संदेश

दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति ने सिख गुरुओं की कथित बेअदबी मामले में बैठक की। समिति के समक्ष पंजाब के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) आलोक शेखर, डी.जी.पी. पंजाब गौरव यादव और जालंधर की पुलिस आयुक्त धनप्रीत कौर उपस्थित हुए और अपना पक्ष रखा। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इस मामले में पूरी कार्रवाई स्थापित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार सख्ती से संचालित की जाएगी। यह प्रक्रिया समयबद्ध, व्यवस्थित और पारदर्शी रहेगी।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि समिति इस मुद्दे की जांच कर रही है और उसकी रिपोर्ट का इंतजार है। उन्होंने साफ किया कि इस स्तर पर यह बताना कठिन है कि प्रक्रिया में कितना समय लगेगा। समिति द्वारा रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के बाद इसे सदन के पटल पर रखा जाएगा, जिसके बाद सदन समिति की सिफारिशों पर विचार-विमर्श करेगा। अंतिम निर्णय दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष द्वारा लिया जाएगा। कार्रवाई के दौरान उठाए गए बेअदबी के मुद्दे का जिक्र करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि गुरुओं के कथित अपमान से जुड़ी दुर्भाग्यपूर्ण घटना गत 6 जनवरी को सदन के पटल पर हुई थी। इस मामले के समाधान की पूरी प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। गुप्ता ने कहा कि सदन और उसके सदस्यों के विशेषाधिकारों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। विधानसभा की गरिमा हर हाल में बरकरार रहनी चाहिए, क्योंकि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक ढांचे का प्रतिबिंब है।

भारत गौरव विशेष पर्यटक ट्रेन 24 अप्रैल को पहुंचेगी सिरसा में

सिरसा/सत्ता संदेश

भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आई. आर. सी. टी. सी.), रेल मंत्रालय की ओर से पहली बार सिरसा रूट के यात्रियों के लिए दक्षिण भारत के प्रमुख आध्यात्मिक स्थलों के दर्शन करवाने के लिए व्यवस्था की गई है, जो अति महत्वपूर्ण है। यह बात शुक्रवार को आईआरसीटीसी के क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ के संयुक्त महाप्रबंधक (पर्यटन) हर्षदीप ने सिरसा रेलवे स्टेशन पर मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि यह रेलयात्रा प्रतिष्ठित भारत गौरव विशेष पर्यटक ट्रेन द्वारा आगामी 24 अप्रैल को फिरोजपुर से प्रस्थान करेगी और वहां से बठिंडा, सिरसा, हिसार जंक्शन, जाखल जंक्शन, धूरी जंक्शन, लुधियाना जंक्शन, एसएएस नगर (मोहाली), चंडीगढ़, अम्बाला कैंट जंक्शन, कुरुक्षेत्र जंक्शन, करनाल, पानीपत जंक्शन, दिल्ली सफदरजंग, मथुरा जंक्शन, आगरा कैंट, ग्वालियर जंक्शन व वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशनों से होते हुए यात्रियों को तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर, तिरुपति, रामनाथस्वामी मंदिर, रामेश्वरम, मीनाक्षी अम्मन मंदिर, मदुरै, कन्याकुमारी, मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग मंदिर, मार्कापुर (श्रीशैलम क्षेत्र) जैसे आध्यात्मिक स्थलों के दर्शन करवाएगी। संयुक्त महाप्रबंधक हर्षदीप ने बताया कि पहले इस रेल का रूट विशुद्ध रूप से पंजाब से होते हुए था, मगर इस बार यह पहला अवसर है, जब इस विशेष पर्यटन रेल का मुख उपरोक्त स्थलों की ओर होगा।

बढ़ते तापमान ने किसानों की चिंता बढ़ाई, एडवाइजरी जारी

जालंधर/सत्ता संदेश

इस बार फरवरी के अंतिम सप्ताह में तापमान सामान्य से करीब 2 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया जा रहा है, जो गेहूं की फसल के लिए चिंताजनक है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि समय रहते बचाव के उपाय नहीं किए गए तो फसल की पैदावार के घटने का खतरा है। खासकर गर्मी बढ़ने से झाड़ कम होने और दानों के सिकुड़ने की आशंका बढ़ जाती है। चीफ एग्रीकल्चर अधिकारी जसविंदर सिंह ने बताया कि इस समय गेहूं की फसल टिलरिंग से बूटिंग स्टेज की ओर बढ़ रही है। यह अवस्था तापमान के प्रति संवेदनशील होती है। यदि दिन का तापमान लगातार अधिक रहता है और रात में भी पर्याप्त ठंडक नहीं मिलती तो पौधों की जैविक क्रियाएं प्रभावित होती हैं। इससे पौधे की ऊर्जा दाने के

विकास के बजाय जीवित रहने में खर्च होने लगती है, जिसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ता है। कृषि विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे पोटाशियम और नाइट्रेट का घोल बनाकर फसल पर स्प्रे करें। इससे पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और वे तापमान के दबाव को बेहतर तरीके से सहन कर पाते हैं। पोटाशियम पौधों में पानी के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है, जबकि नाइट्रेट उनको मजबूती देता है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रति एकड़ निर्धारित मात्रा में पोटाशियम नाइट्रेट का 2 प्रतिशत घोल तैयार कर सुबह या शाम के समय छिड़काव करें। तेज धूप के समय स्प्रे करने से दवा का असर कम हो सकता है। साथ ही खेतों में पर्याप्त नमी बनाए रखना बेहद जरूरी है। यदि सिंचाई की आवश्यकता हो तो हल्की सिंचाई कर मिट्टी में नमी बनाए रखें, ताकि पौधों की जड़ें सक्रिय रहें और पोषक तत्वों का अवशोषण ठीक से हो सके। चीफ एग्रीकल्चर अधिकारी जसविंदर सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि किसान इस समय लापरवाही बरतते हैं तो झाड़ कम होने की संभावना बढ़ जाएगी, जिससे प्रति एकड़ उत्पादन घट सकता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मौसम के उतार-चढ़ाव को देखते हुए किसानों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी।

संपादकीय

विदेश नीति: केन्द्र सरकार पर तीखा हमला

सोनिया गांधी व राहुल ने पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल

ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या और पश्चिम एशिया में तेजी से बिगड़ते हालात को लेकर कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। दोनों ने कहा है कि यह समय चुप्पी का नहीं, बल्कि स्पष्ट और नैतिक रुख अपनाने का है। सोनिया गांधी ने एक अंग्रेजी समाचार पत्र में लिखे आलेख के माध्यम से और राहुल गांधी ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मोदी सरकार की विदेश नीति पर कई गंभीर सवाल उठाए हैं। सोनिया गांधी ने लिखा है कि पहली मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की अमरीका और इजरायल द्वारा किए गए लक्षित हमलों में हत्या कर दी गई। किसी संप्रभु राष्ट्र के वर्तमान प्रमुख की, वह भी चल रही कूटनीतिक वार्ताओं के बीच, इस प्रकार हत्या अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए गंभीर झटका है। सोनिया गांधी ने इसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का खतरनाक क्षरण बताया है। भारत की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि भारत सरकार ने न, तो इस हत्या की स्पष्ट शब्दों में निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर ठोस प्रतिक्रिया दी। सोनिया गांधी के अनुसार, जब किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष की लक्षित हत्या पर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से स्पष्ट और सिद्धांत आधारित प्रतिक्रिया नहीं आती, तो यह हमारी विदेश नीति की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। उन्होंने लिखा है कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) के तहत किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता और राजनीतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बल प्रयोग वर्जित है। ऐसे में बिना युद्ध की घोषणा और कूटनीतिक प्रक्रिया के दौरान की गई यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून की भावना के विपरीत मानी जा रही है। वहीं राहुल गांधी ने भी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अमरीका, इज़रायल और ईरान के बीच बढ़ती शत्रुता एक पहले से ही नाजुक क्षेत्र को व्यापक संघर्ष की ओर धकेल रही है। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोग, जिनमें लगभग एक करोड़ भारतीय भी शामिल हैं, अनिश्चितता और असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा कि सुरक्षा चिंताएं वास्तविक हो सकती हैं, लेकिन संप्रभुता का उल्लंघन करने वाले हमले संकट को और गहरा करते हैं। उन्होंने अमरीका-इजरायल के ईरान पर हमलों और ईरान द्वारा अन्य मध्य-पूर्वी देशों पर किए गए हमलों की निंदा की। उनका कहना था कि हिंसा से हिंसा ही जन्म लेती है। संवाद और संयम ही शांति का एकमात्र रास्ता हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से सीधे सवाल किया कि क्या वह एक राष्ट्राध्यक्ष की हत्या को विश्व व्यवस्था तय करने का तरीका मानते हैं? इस समय की चुप्पी भारत की वैश्विक साख को कमजोर करती है। कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि लगभग एक करोड़ भारतीय खाड़ी देशों में रहते और काम करते हैं। ऐसे में पश्चिम एशिया में बढ़ती अस्थिरता भारत के लिए केवल कूटनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि मानवीय और रणनीतिक चिंता का विषय भी है।

– जितेंद्र कुमार, सम्पादक

सीएम सुक्खू 21 को करेंगे चौथा बजट पेश

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू 21 मार्च को अपना चौथा बजट पेश करेंगे। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का दूसरा चरण 18 मार्च से दो अप्रैल तक चलेगा। सत्र के दौरान कुल 13 बैठकें होंगी, जबकि तीन दिन अवकाश रहेगा।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के सचिव यशपाल शर्मा ने चौदहवीं विधानसभा के ग्यारहवें सत्र के दूसरे चरण को लेकर मंगलवार को अस्थायी कार्यसूची जारी कर दी है।

जारी अस्थायी कार्यसूची के तहत 18 मार्च को सुबह 11 बजे बजट बजट सत्र का दूसरा चरण आरंभ होगा और इस दौरान शोकोद्गार, यदि कोई हो, के अलावा शासकीय व विधायी कार्य के साथ राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण एवं चर्चा होगी। 19 मार्च को शासकीय/विधायी कार्य के अलावा अनुपूरक बजट प्रथम एवं अंतिम किस्त वित्तीय वर्ष 2025-26 का प्रस्तुतीकरण एवं पारण के अलावा सामान्य चर्चा, मांगों पर चर्चा एवं मतदान और विनियोग विधेयक, विचार-विमर्श एवं पारण तथा राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी। 20 मार्च को भी शासकीय/ विधायी कार्य के अलावा राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव-चर्चा एवं पारण होगा।

21 मार्च को बजट अनुमान वित्तीय वर्ष 2026-27 प्रस्तुतिकरण होगा, जिसके बाद 22 मार्च को अवकाश रहेगा। अस्थायी कार्यसूची के तहत 23, 24 और 25 मार्च को शासकीय/विधायी कार्य के अलावा बजट अनुमान वित्तीय वर्ष 2026-27 सामान्य चर्चा एवं समापन होगा। इससे अगले दिन 26 मार्च को फिर अवकाश रहेगा। 27 और 28 मार्च को शासकीय/विधायी कार्य के अलावा बजट अनुमान वित्तीय वर्ष 2026-27 मांगों पर चर्चा एवं मतदान और 29 मार्च को अवकाश रहेगा। 30 मार्च को शासकीय/विधायी कार्य से सत्र के दिन की शुरुआत होगी। तदोपरांत बजट अनुमान वित्तीय वर्ष 2026-27 पर मांगों पर चर्चा एवं मतदान के अलावा विनियोग विधेयक पुर- स्थापना, विचार-विमर्श एवं पारण और 31 मार्च को शासकीय/विधायी कार्य के बाद गैर सरकारी सदस्य दिवस रहेगा। पहली और दो अप्रैल को शासकीय/ विधायी कार्य होंगे। बता दें कि इससे पहले बजट सत्र का पहला चरण तीन दिनों 16 फरवरी से 18 फरवरी तक आयोजित किया गया था, जिसमें सरकार की ओर से राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) को लेकर लाए संकल्प प्रस्ताव पर चर्चा हुई थी और संकल्प प्रस्ताव पारित हुआ था।

सत्ता संदेश

RNI : PBHIN/25/A4135

पब्लिशर, एडिटर, मालिक जितेंद्र कुमार और प्रिंटर अश्मीत सिंह ने न्यूजपेपर 'सत्ता संदेश' (हिन्दी साप्ताहिक), ने मुंजाल प्रिंटर्स 1558/1 अमरपुरा, माता वाली गली, सिविल अस्पताल के पास, लुधियाना, पंजाब - 141008 से छपवाकर अपने आफिस पीएल-42, वर्धमान पार्क, चंडीगढ़ रोड, मुंडियां कलां, लुधियाना, पंजाब - 141015 से प्रकाशित किया।

Publisher, Editor, Owner Jitender Kumar and Printer **ASHMEET SINGH** Newspaper Title **'SATTA SANDESH' (HINDI WEEKLY)**, Printed at Munjal Printers 1558/1 Amarpura Mata Wali Gali, Near Civil Hospital, Ludhiana, Punjab - 141008 and Published from PL 42, Vardhman Park, Chandigarh Road, Mundian Kalan, Ludhiana, Punjab - 141015

M. + 91 92162 42177

Email : sattasandesh25@gmail.com

अर्थव्यवस्था का एक नया नजरिया भारत के जीडीपी के आधार में संशोधन को समझना

सकल घरेलू उत्पाद या जीडीपी किसी देश की अर्थव्यवस्था के आकार और उसकी सेहत को आंकने का एक तरीका है। यह एक राष्ट्र का वह रिपोर्ट कार्ड है, जो हमें बताता है कि वह देश वस्तुओं और सेवाओं के लिहाज से कितना उत्पादन कर रहा है। जब जीडीपी बढ़ रही होती है, तो आमतौर पर इसका मतलब होता है कि कारोबार जगत वस्तुओं एवं सेवाओं का अधिक उत्पादन कर रहा है, अधिक सं या में लोगों को रोजगार मिल रहा है और आय बढ़ रही है। वैश्विक स्तर पर भी जीडीपी का बेहद महत्व होता है। वर्तमान में भारत विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है और अनुमान है कि 2030 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

अर्थव्यवस्था को मापने के एक साधन के रूप में, जीडीपी को अर्थव्यवस्था की सही नब्ज को पहचानने के उद्देश्य से नियमित रूप से संशोधित करते रहने की जरूरत होती है। इस काम को बदलती अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बनाए रखने के इरादे से जीडीपी के आधार वर्ष को नियमित अंतराल पर अद्यतन करके पूरा किया जाता है। जैसे- जैसे अर्थव्यवस्था के स्वरूप बदलता जाता है और नए उद्योग उभरते हैं, उपभोग के पैटर्न बदलते हैं तथा आंकड़ों के नए स्रोत विकसित होते हैं, इन संशोधनों से आधिकारिक आंकड़ों को असली हकीकतों के अनुरूप ढालने में मदद मिलती है और अनुमान अधिक सटीक व ठोस बन जाते हैं।

आधार में पिछले संशोधन के बाद से आंकड़ों के नए स्रोतों की उपलब्धता ने हमें जीडीपी में अलग-अलग सेक्टरों और अलग-अलग क्षेत्रों के योगदानों को अधिक स्पष्ट रूप से देखने और बेहतर तरीकों को अपनाने में मदद की है। उदाहरण के लिए, अनौपचारिक क्षेत्र को भी व्यापक रूप से कवर करने वाले गैर-निगमित क्षेत्र द्वारा मूल्य वर्धन का अनुमान लगाने में संदर्भ में।

जीडीपी के आधार में पिछले संशोधन के बाद से, कंपनियों के प्रबंधन एवं प्रशासन संबंधी आंकड़े (एमजीटी-7/7ए) जैसे कुछ नए किस्म के आंकड़े उपलब्ध हुए हैं। ये आंकड़े कंपनियों द्वारा की जाने वाली व्यावसायिक गतिविधियों की सं या, एनआईसी 2008 के अनुसार व्यावसायिक गतिविधि के विवरण और प्रत्येक वर्ष प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि (उद्योग) से प्राप्त प्रतिशत कारोबार (टर्नओवर) की जानकारी प्रदान करते हैं। इसलिए, आधार का पुनर्निर्धारण करते समय बहु-गतिविधियों वाले उद्यमों के लिए मूल्यवर्धन को अब पहले की तरह पूरी तरह से मु य गतिविधि को आवंटित करने के बजाय नए उपलब्ध एमजीटी-7 के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न गतिविधियों में आवंटित किया जाता है। इस बदलाव से हमें अलग-अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से समझने में मदद मिलती है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि अर्थव्यवस्था को किस प्रकार संचालित कर रही है।

जिस प्रकार कंपनी स्तर के नए आंकड़े हमें

श्री सौरभ गर्ग

अलग-अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से मापने में मदद करते हैं, ठीक वैसे ही नई श्रृंखला में जीएसटी आंकड़ों के बेहतर उपयोग से अन्य बातों के अलावा, निजी कॉरपोरेट सेक्टर से संबंधित क्षेत्रीय आवंटन में सुधार और राज्य स्तर पर व्यय-पक्ष के अनुमानों के बेहतर संकलन के जरिए जीडीपी में क्षेत्रीय योगदानों का अधिक सटीक और सूक्ष्म दृष्टिकोण हासिल होता है।

एएसयूएसई और पीएलएफएस जैसे सर्वेक्षणों से हासिल वार्षिक आंकड़ों की उपलब्धता, जिसकी सुविधा पहले नहीं थी, ने हमें गैर-निगमित क्षेत्र द्वारा वार्षिक रूप से मूल्यवर्धन का अनुमान लगाने की एक बेहतर पद्धति अपनाने में समर्थ बनाया है।

पहले हम अन्य संकेतकों से अप्रत्यक्ष रूप से जीडीपी में इसके योगदान का अनुमान लगाते थे। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि लाखों घरेलू व्यवसायों, छोटी दुकानों और स्वरोजगार श्रमिकों से मिलकर बना यह सेक्टर अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है और रोजगार एवं आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जीडीपी के आधार में संशोधन महज आंकड़ों के नए स्रोतों के उपयोग से कहीं आगे की बात है। यह कार्यप्रणाली में सुधार से भी जुड़ा है और इस संदर्भ में, जीडीपी की नई श्रृंखला में कई कार्यप्रणालीगत सुधार देखे गए हैं।

पहले, कीमतों में बदलाव के अनुसार जीडीपी को समायोजित करने की दोहरी अपस्फीति (डबल डि लेशन) विस्तृत विधि सिर्फ कृषि क्षेत्र में ही लागू होती थी। वर्ष 2022-23 की नई श्रृंखला में दोहरी अपस्फीति विधि का विस्तार करके इसे मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र तक ले आया गया है, जहां अब पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध हैं और अन्य सभी क्षेत्रों में एकल बहिर्वेशन (सिंगल एक्सट्रपलेशन)/ मात्रात्मक बहिर्वेशन (वॉल्यूम एक्सट्रपलेशन) विधि का उपयोग किया जाता है। यह दृष्टिकोण उपलब्ध आंकड़ों का सर्वोत्तम उपयोग करता है, जिससे अनुमान सटीक और विश्वसनीय बने रहते हैं। दोहरी अपस्फीति में बहुत अधिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसके लिए आउटपुट और इनपुट दोनों की कीमतों पर विस्तृत जानकारी की जरूरत होती है। जैसे-जैसे समय के साथ यह आंकड़ा और अधिक उपलब्ध होता जाएगा, हम इसके उपयोग का विस्तार और अधिक क्षेत्रों में कर सकेंगे।

कार्यप्रणाली की दृष्टि से एक उल्लेखनीय सुधार यह है कि अर्थव्यवस्था के अनुमानों को उत्पादित वस्तुओं (उत्पादन पक्ष) और लोगों एवं कारोबार जगत द्वारा किए गए व्यय (खर्च पक्ष) के आधार पर ढाला गया है। ये दोनों पक्ष अक्सर पूरी तरह से मेल नहीं खाते, जो कि दुनिया के तमाम देशों में और खासकर तिमाही जीडीपी के मामले में, एक आम समस्या है। इस समस्या को दूर करने के उद्देश्य से नई श्रृंखला में 'आपूर्ति एवं उपयोग सारणी' के ढांचे का उपयोग किया जा रहा है ताकि प्रारंभिक अनुमानों में विसंगतियों को सीमित किया जा सके और अंतिम अनुमानों के समय पूरे आंकड़े उपलब्ध होने पर उन्हें पूरी तरह से दूर किया जा सके।

जीडीपी के आंकड़ों को अद्यतन करना अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट नजरिए से देखने जैसा है। हर आर्थिक गतिविधि, चाहे छोटी हो या बड़ी, स्पष्ट रूप से सामने आती है और राष्ट्र के विकास में उसके योगदान का सटीक तरीके से उजागर होता है। बेहतर आंकड़ों का उपयोग करके, विधियों को परिष्कृत करके और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के अनुरूप ढलकर, मंत्रालय ने अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट रूप से पेश किया है। नागरिकों के लिए इसका मतलब यह है कि अब नीतियां एवं सार्वजनिक सेवाएं अर्थव्यवस्था की कार्यप्रणाली की सटीक समझ पर आधारित हैं, जिससे विकास का असर सिर्फ कागजों पर ही नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी महसूस हो रहा है।

लेखक सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव हैं। ये उनके निजी विचार हैं।

ईरान और खाड़ी क्षेत्र में हालिया घटनाओं से भारत चिंतित

पश्चिम एशिया में तेजी से बिगड़ते हालात के बीच भारत सरकार ने गहरी चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय (एम.ई.ए.) ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि भारत ईरान और खाड़ी क्षेत्र में हालिया घटनाक्रम को लेकर गंभीर रूप से चिंतित है और सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील करता है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ईरान और खाड़ी क्षेत्र में हालिया घटनाओं से गहराई से चिंतित है। हम सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव बढ़ाने से बचने और नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह करते हैं।

संवाद और कूटनीति के माध्यम से तनाव कम किया जाना चाहिए। सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान होना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में स्थित हमारे मिशन भारतीय नागरिकों के संपर्क में हैं और उन्हें सतर्क रहने, स्थानीय सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने और मिशनों से जुड़े रहने की सलाह दी गई है।

रिपोर्टों के अनुसार अमेरिका ने ईरान में %मेजर कॉम्बैट ऑपरेशंस' शुरू करने की घोषणा की है। इजरायल ने भी ईरान पर मिसाइल हमले किए हैं। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल और खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया है। तेहरान सहित कई स्थानों पर विस्फोटों की खबरें हैं।कई देशों ने अपना एयरस्पेस अस्थायी रूप से बंद कर दिया है।

यह घटनाक्रम पूरे मध्य पूर्व में व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष की आशंका को बढ़ा रहा है। इस बीच, इंडिया अम्बैसी, अबूदाबी ने संयुक्त अरब अमीरात में रह रहे भारतीयों, विशेषकर छात्रों के लिए एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में कहा गया कि भारतीय नागरिक अनावश्यक यात्रा से बचें, सतर्क रहें और सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन करें। यूएई प्रशासन और भारतीय दूतावास द्वारा जारी अपडेट पर नजर रखें। दूतावास और दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास सामान्य रूप से कार्य कर रहे हैं।

भारत की कूटनीतिक प्राथमिकता

भारत ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। कूटनीतिक समाधान ही स्थायी रास्ता है। क्षेत्रीय स्थिरता वैश्विक सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। मौजूदा हालात अत्यंत संवेदनशील बने हुए हैं और भारतीय मिशन लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

विवाहेत्तर संबंधों से दरकता विश्वास

हाल ही में सामने आए एक सर्वेक्षण में, यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि जीवन साथी की निगरानी के लिये बड़ी संख्या में डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद ली जा रही है। तमाम विवाहेत्तर संबंधों की पड़ताल से बड़ी संख्या में शक सही निकल रहे हैं।

हालांकि, इस सर्वे के दायरे और उसकी विश्वसनीयता की कसौटी के प्रश्न सामने हैं, लेकिन यह एक कड़वी हकीकत है कि हमारी पारिवारिक संस्था में अविश्वास की सेंध लग रही है। खाओ-पियो मौज करो की पश्चिमी संस्कृति के अंधानुकरण से वैवाहिक संस्था की शुचिता को आंच आई है। समाज में अलगाव, तलाक व हिंसक प्रतिशोध के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

रही सही कसर कथित सोशल मीडिया ने पूरी कर दी है, जिसने हमारे समाज में वर्जित माने जाने वाले भदेस विषयों को न्यू नॉर्मल बना दिया है। दरअसल, हाल के वर्षों में भारतीय समाज तेजी से संक्रमणकालीन दौर में जा पहुंचा है।

कभी जिस रिश्ते को सिरे चढ़ाते वक्त जन्म-जन्मांतर साथ निभाने का वायदा किया जाता था, आज उसी जीवन साथी की निगरानी के लिये डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद ली जा रही है। यह दुखद ही है कि जिन जीवन मूल्यों, संयम व शुचिता के रिश्तों के लिये भारत दुनिया में जाना जाता था, वहां आज यौन स्वच्छंदता व विवाहेत्तर संबंधों का दायरा बढ़ रहा है। एक समय था कि भारतीय संयुक्त परिवार की छांव में संयमित व मर्यादित व्यवहार करते थे। बड़ों का अनुशासन मर्यादा की रक्षा करता था। कामकाज का स्वरूप और स्थानीय रोजगार भी जीवन व्यवहार को संतुलित व संयमित करते थे। लेकिन हमारी कार्य संस्कृति में बदलाव व देश-विदेश में कामकाज के लिये बाहर जाने के बाद व्यक्ति स्वच्छंद व्यवहार करने लगा।

यही वजह है कि विदेश में रहने वाले पति या पत्नी के व्यवहार की पड़ताल के लिये डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद लेने के मामले लगातार उजागर हुए हैं। जिसके बाद मुकदमेबाजी, अलगाव व टकराव की खबरें सामने आने लगती हैं।

दरअसल, विगत में भारतीय समाज में व्यक्ति के सार्वजनिक व्यवहार को संयुक्त परिवार व समाज संयमित करता था, लेकिन धीरे-धीरे आर्थिक आत्मनिर्भरता के बाद लोगों ने बड़े-बुजुर्गों व समाज के हस्तक्षेप को अस्वीकार करना शुरू कर दिया।

विगत में हमारी फिल्मों व टीवी निर्माताओं ने दर्शकों की भीड़ जुटाने के लिये हमेशा असामान्य वैवाहिक रिश्तों को अपनी कथावस्तु बनाया। इन असामान्य रिश्तों को इस ग्लैमर के साथ पेश किया जाता रहा है कि कालांतर उसका प्रभाव समाज पर नजर आने लगा।

आज तो विदेशी धरती से संचालित इंटरनेट व सोशल मीडिया ने तो असामान्य रिश्तों की पराकाष्ठा दर्शा दी। विडंबना यह रही है कि मीडिया ने भी ऐसी नकारात्मक प्रवृत्तियों को इतनी तरजीह दी कि समाज के एक तबके में असामान्य रिश्तों को सामान्य माना जाने लगा। एक हकीकत यह भी है कि देश पर तमाम विदेशी आक्रांताओं ने भारतीय संस्कृति को इतनी क्षति नहीं पहुंचाई होगी, जितनी इंटरनेट व सोशल मीडिया के माध्यम से परोसी जा रही अपसंस्कृति ने विकृतियां पैदा की।

नई पीढ़ी ही नहीं, उम्र दराज लोग भी कामदेव के मोहपाश में बंधे वर्जनाओं को लांघने लगे हैं। सोशल मीडिया पर बालाओं के मोहपाश में बंधकर गांठ का धन गंवाने वालों में बुजुर्गों की संख्या भी कम नहीं है। निःसंदेह, विवाह एक पवित्र बंधन है, जिसका निर्वहन संयम, सहजता, सहयोग, धैर्य और त्याग से ही होता है।

लगता है कहीं न कहीं नई पीढ़ी लगातार धैर्य खोती जा रही है। रिश्तों के दीर्घकालिक निर्वहन का मूलमंत्र यही है कि हम जीवन-साथी की छोटी-मोटी कमियों को नजरअंदाज करके सामंजस्य के साथ जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ाएं। असामान्य रिश्तों का अल्पकालिक सुख भले ही लुभाता हो, मगर उसकी कीमत परिवार को लंबे समय तक चुकानी पड़ती है, जिसका नकारात्मक प्रभाव बच्चों के मन-मस्तिष्क पर भी घातक होता है।

यह भी एक हकीकत है कि जब परिवार के विवाद घर की दहलीज लांघते हैं, तो इससे लाभ उठाने वाले पेशेवरों की पूरी बिरादरी मुस्तैद खड़ी होती है।

निश्चित ही रिश्तों में छल की प्रवृत्ति भारत में मूल्यों वाली विवाह संस्था के लिये एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। इसका मुकाबला संयम, सहयोग, त्याग व समर्पण जैसे जीवन मूल्यों से ही संभव है।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता : वस्त्र उद्योग के लिए एक ऐतिहासिक व्यापारिक उपलब्धि

भारत ने वैश्विक मंच पर ऐसा कदम रखा है, जिसे दुनिया अनदेखा नहीं कर सकी। 16वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर स मेलन में भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) औपचारिक रूप से पूरा हुआ। यह एक ऐतिहासिक पल था, जिस पर दशकों से काम हो रहा था। यह समझौता दूरदृष्टि, दृढ़ संकल्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत आर्थिक नेतृत्व का परिणाम है।

भारत और यूरोपीय संघ मिलकर दुनिया की चौथी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और दोनों मिलकर वैश्विक जीडीपी का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। जब इन दोनों बड़े आर्थिक भागीदारों ने भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया, तो यह केवल एक और व्यापार समझौता नहीं रहा, बल्कि अपने आकार और रणनीतिक महत्व के कारण यह एक बेहद बड़ा और ऐतिहासिक समझौता बन गया।

भारत-ईयू एफटीए तक की यह यात्रा शासन के तरीके में साफ अंतर दिखाती है। वर्ष 2014 से पहले भारत को केवल 19 देशों में व्यापार की पहुंच थी, जबकि आज यह सं या 56 देशों तक पहुंच गई है। केवल भारत-ईयू एफटीए से ही 27 बड़े और महत्वपूर्ण बाजारों तक पहुंच खुली है। यह स्पष्ट, परिणाम आधारित और मजबूत शासन का प्रतीक है।

आज वैश्विक वस्त्र और परिधान बाजार का आकार 1.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है। यह दुनिया भर में बढ़ती मांग और तेज़ बदलाव को दिखाता है। दुनिया का कुल आयात वर्ष 2001 में 366.8 अरब डॉलर था, जो बढ़कर 2024 में लगभग 800 अरब डॉलर हो गया है। इससे साफ है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है।

इसी वैश्विक माहौल में भारत ने भी अपनी स्थिति लगातार मज़बूत की है। भारत का कुल टेक्सटाइल निर्यात लगभग 10 अरब डॉलर से बढ़कर करीब 40 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इससे वैश्विक व्यापार में भारत की भागीदारी काफ़ी मजबूत हुई है।

देश के भीतर भी टेक्सटाइल क्षेत्र में तेज़ बढ़त देखी जा रही है। भारत का घरेलू टेक्सटाइल बाजार 138 अरब डॉलर से बढ़कर 2025 में लगभग 190 अरब डॉलर हो गया है। इसका मु य कारण उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग और लोगों की बढ़ती खरीद क्षमता है। यह वृद्धि कई नीतिगत सुधारों और सरकारी पहलों से संभव हुई है, जिनसे उत्पादन व्यवस्था को आधुनिक बनाया गया, सप्लाई और वैल्यू चेन को मज़बूत किया गया और अंतरराष्ट्रीय

गिरिराज सिंह

स्तर पर प्रतिस्पर्धा की क्षमता बढ़ी।

इसी पृष्ठभूमि में भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते का महत्व बहुत ऐतिहासिक बन जाता है। यह समझौता यूरोपीय यूनियन के पूरे बाजार तक भारत की पहुंच खोलता है, जहां लगभग 2 अरब उपभोक्ता हैं और कुल बाजार का आकार करीब 24 ट्रिलियन डॉलर है।

इस समझौते के तहत मूल्य के हिसाब से भारत के 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात को विशेष (प्राथमिक) व्यापार सुविधा मिलेगी। साथ ही लगभग 33 अरब डॉलर के सामान पर लगने वाले 10 से 12 प्रतिशत तक के शुल्क (टैरिफ) खत्म हो जाएंगे। इससे दुनिया के सबसे प्रीमियम बाजारों में भारत के उत्पाद और अधिक सस्ते व प्रतिस्पर्धी बनेंगे।

पिछले दो वर्षों में हमने जीडीपी, मांग के रुझान, जनसं या और प्रति व्यक्ति आय जैसे आँकड़ों के आधार पर एक नई बाजार विविधीकरण (मार्केट डाइवर्सिफिकेशन) रणनीति तैयार की और उसे आगे बढ़ाया।

अब इस रणनीति के साफ़ नतीजे दिखने लगे हैं। वर्ष 2025 में, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, भारत के टेक्सटाइल निर्यात ने 100 से अधिक देशों में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। इससे दुनिया में भारत की मौजूदगी और मजबूत हुई है।

इस लक्षित रणनीति के तहत निर्यात में तेज़ बढ़ोतरी हुई है। अर्जेंटीना में 77 प्रतिशत, पराग्वे में 45 प्रतिशत और इजिप्ट में 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह बढ़ोतरी मु य रूप से रेडीमेड कपड़ों के कारण हुई है। इसके पीछे पिछले दस वर्षों में मैन्युफैक्चरिंग क्षमता का लगातार विस्तार रहा है।

बीते दस सालों में भारत के उत्पादन तंत्र में 2 करोड़ से अधिक सिलाई मशीनें जोड़ी गई हैं। इससे उत्पादन बढ़ा है, काम की उत्पादकता बेहतर हुई है और रोज़गार के नए अवसर बने हैं। इस विस्तार को मजबूत नीतिगत समर्थन भी मिल रहा है। केंद्रीय बजट 2026ङ्क27 में टेक्सटाइल क्षेत्र को भारत की विकास रणनीति के केंद्र में रखा गया है। इसके तहत मेगा टेक्सटाइल पार्क, एकीकृत वैल्यू चेन, टिकाऊ उत्पादन से जुड़ी पहल और 'समर्थ 2.0' के तहत कौशल विकास पर ज़ोर दिया गया है।

इसके साथ ही, प्रमुख टेक्सटाइल क्लस्टरों में टेक्सटाइल निर्यात सुविधा केंद्र बनाए जाएंगे। ये केंद्र एक ही मंच पर निर्यातकों को बाजार से जुड़ी जानकारी, एफटीए से संबंधित मार्गदर्शन, नियमों में सहायता और शुरुआत से अंत तक पूरी सुविधा उपलब्ध कराएंगे।

2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात के लक्ष्य के साथ, भारत की टेक्सटाइल रणनीति बड़े पैमाने, तेज़ र तार और वैश्विक सोच को दिखाती है।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता इस गति को और मजबूत करता है। यह केवल एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि एक रणनीतिक साझेदारी है, जिसके तहत भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच कुल व्यापार और सहयोग को 2030 तक 179 अरब डॉलर से बढ़ाकर 350 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। आज भारत सिर्फ वैश्विक व्यापार का हिस्सा नहीं है, बल्कि उसे दिशा देने वाला देश बन रहा है।

(लेखक केंद्रीय वस्त्र मंत्री हैं। व्यक्त किए गए विचार उनके निजी हैं।)

न्यूज ब्रीफ

आपदा मुक्त घोषित हुआ हिमाचल, सरकार ने हटाया डिजास्टर एक्ट

शिमला/सत्ता संदेश

हिमाचल प्रदेश आपदा मुक्त राज्य घोषित हो गया है। सुक्खू सरकार ने करीब 5 माह बाद डिजास्टर एक्ट हटा लिया है। सरकार की ओर से इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। बता दें कि सुक्खू सरकार ने 8 अक्तूबर 2025 को हिमाचल में डिजास्टर एक्ट लगाया था। सरकार ने कहा था कि राज्य में सड़कों हालत खराब है और कनेक्टिविटी बहाल होने तक पंचायत चुनाव नहीं करवाए जा सकते। मुख्य सचिव संजय गुप्ता द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रदेश में अब स्थितियां नियंत्रण में हैं।

हमीरपुर में 15.52 ग्राम चिट्टा के साथ एक गिरफ्तार

हमीरपुर/सत्ता संदेश

हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में पुलिस ने शशिकांत नामक एक व्यक्ति को 15.52 ग्राम चिट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। हमीरपुर के पुलिस अधीक्षक बलबीर सिंह ने गुरुवार को बताया कि नियमित गश्त के दौरान पुलिस की एक टीम ने स्वाहल गांव के पास एक गाड़ी को रोककर तलाशी ली, तो उसमें 15.52 ग्राम चिट्टा मिला। उन्होंने कहा कि इस सिलसिले में एनडीपीएस कानून की धारा 21, 61, और 85 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे सात मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

चूरा-पोस्त की तस्करी के आरोपी को मिली 3 साल का कठोर कारावास

बिलासपुर/सत्ता संदेश

नशा तस्करी के एक मामले में घुमारवीं स्थित विशेष न्यायाधीश मोहित बंसल की अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। शनिवार को सुनाए गए निर्णय में ऊना जिले के लठियाणी निवासी रोशन लाल को 3 वर्ष के कठोर कारावास और 10,000 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत में प्रस्तुत साक्ष्यों के अनुसार आरोपी के पास से 2.100 किलोग्राम चूरा-पोस्त बरामद किया गया था। जिसके आधार पर उसे एनडीपीएस एक्ट के तहत दोषी पाया गया।

कौन हैं अनुराग शर्मा जिन्हें कांग्रेस ने हिमाचल से बनाया राज्यसभा उम्मीदवार

बैजनाथ/सत्ता संदेश

कांग्रेस ने कांगड़ा को राज्यसभा में तवज्जो दी है। इंदु गोस्वामी के बाद बैजनाथ से ही जिला कांग्रेस अध्यक्ष बने अनुराग शर्मा का नाम राज्यसभा उम्मीदवार के रूप में चयनित किया गया है। पहले चल रहे बड़े नामों के बाद सूची में अनुराग शर्मा के नाम ने सबका चौंका दिया। अनुराग शर्मा का कद लगातार कांगड़ा कांग्रेस में बढ़ता जा रहा है। कुछ समय पहले ही अनुराग शर्मा को जिला कांगड़ा का अध्यक्ष घोषित किया गया था और अब राज्यसभा उम्मीदवार के रूप में उनका नाम प्रदेश भर में चर्चा का विषय बन गया है।

छात्र राजनीति से शुरू किया राजनीतिक सफर

बैजनाथ उपमंडल के बीड़ क्षेत्र के निवासी अनुराग शर्मा लंबे समय से राजनीति और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वर्ष 1994 से कांग्रेस संगठन से जुड़े अनुराग शर्मा ने छात्र राजनीति से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की और विभिन्न संगठनात्मक पदों पर रहते हुए क्षेत्र के विकास में योगदान दिया। बता दें कि अनुराग शर्मा का जन्म 29 अगस्त 1978 को हुआ। उन्होंने हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से 10वीं की परीक्षा वर्ष 1993 में तथा 12वीं (नॉन-मेडिकल) वर्ष 1996 में उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला से वर्ष 1999 में गणित विषय में बी.ए. की डिग्री प्राप्त की।

राजनीतिक जीवन की शुरुआत उन्होंने एनएसयूआई से की। वर्ष 1998 और 1999 में जीजीडीएसडी कॉलेज बैजनाथ में एनएसयूआई के कैंपस अध्यक्ष रहे। इसके साथ ही वर्ष 1996 से 2001 तक एनएसयूआई के राज्य महासचिव के रूप में भी कार्य किया। इसके बाद वर्ष 2002 से 2006 तक जिला युवा कांग्रेस के महासचिव रहे। वर्ष 2007 से 2012 तक उन्होंने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बैजनाथ के महासचिव के रूप में कार्य किया।

आगे चलकर वर्ष 2014 से 2019 तक हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के राज्य सचिव भी रहे। वर्ष 2015 से 2017 के दौरान उन्हें जोगिंदर नगर विधानसभा क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी भी दी गई।

विभिन्न सरकारी पदों पर भी सेवाएं दे चुके हैं अनुराग शर्मा

अनुराग शर्मा को विभिन्न सरकारी पदों पर भी सेवाएं देने का अवसर मिला। वर्ष 2013 से 2017 तक वे हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड के निदेशक रहे। इसी अवधि में वर्ष 2013 से 2017 तक हिमाचल प्रदेश सरकार के युवा एवं खेल सेवाएं विभाग के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। वर्तमान में वे वर्ष 2023 से हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की विजिलेंस एंड प्रिवेंशन कमेटी के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। सामाजिक और खेल गतिविधियों में भी उनकी विशेष रुचि रही है। वे बिलिंग पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन से लंबे समय से जुड़े हुए हैं। वर्ष 2010 से 2020 तक एसोसिएशन के निदेशक रहे और वर्ष 2020 से 2025 तक अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी निभाई।

बाहरी राज्यों की रजिस्टर्ड 250 गाड़ियों के मालिकों को नोटिस

बिलासपुर/सत्ता संदेश

बिलासपुर सदर आरएलए ब्रांच में वाहन पंजीकरण में सामने आए कथित फर्जीवाड़े में जांच के लिए एसडीएम की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने 2025-26 में रजिस्टर्ड बाहरी गाड़ियों की जांच रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में लगभग 200 से 250 बाहरी गाड़ियों की रजिस्ट्रेशन पाई गई हैं। बताया जा रहा है कि कुछ में त्रुटियां भी सामने आई हैं। अब इन सभी को गाड़ियों की फिजिकल वैरिफिकेशन करवाने और डॉक्यूमेंट जमा करने के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं। फिजिकल वैरिफिकेशन और डॉक्यूमेंटेशन के दौरान सामने आने वाले त्रुटियों को दुरुस्त किया जाएगा। यदि नियमों में गड़बड़ी पाई जाएगी, तो नियमानुसार कार्रवाई भी की जा सकती है। खास बात यह है कि अभी एक साल के दौरान रजिस्टर्ड गाड़ियों की जांच की गई है, जबकि अभी 2020 तक दर्ज गाड़ियों की जांच होगी लिहाजा अभी फर्जी तरीके से रजिस्टर्ड सैकड़ों गाड़ियों का खुलासा होने की संभावना है। बिलासपुर जिला प्रशासन ने आरएलए ब्रांच में फर्जी तरीके से बाहरी राज्यों की गाड़ियों के पंजीकरण मामले को गंभीरता से लिया है।

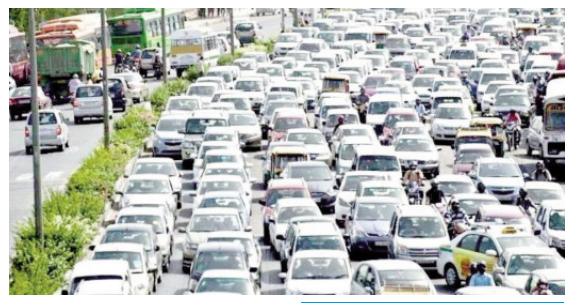

उपायुक्त राहुल कुमार ने 2020 से अब तक पंजीकृत सभी वाहनों की चरणबद्ध जांच शुरू कर दी है, जिसके लिए एसडीएम की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई है। जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि नियमों की अनदेखी कर किन वाहनों का पंजीकरण किया गया और किन मामलों में सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचा है।

ताजा स्थिति में कमेटी ने 2025-26 में यानी एक साल की अवधि में रजिस्टर्ड बाहरी गाड़ियों की जांच की है जिसके तहत तैयार रिपोर्ट में 250 के करीब गाड़ियां पाई गई हैं। सभी गाड़ी मालिकों को दस दिन का नोटिस जारी कर गाड़ियों की फिजिकल वैरिफिकेशन करवाने और डॉक्यूमेंट जमा करवाने के लिए कहा गया है।

बाहरी गाड़ियों की जांच

उपायुक्त राहुल कुमार ने बताया कि आरएलए ब्रांच सदर में रजिस्टर्ड बाहरी राज्यों की गाड़ियों की जांच की जा रही है। जांच कमेटी ने ऐसी लगभग 250 गाड़ियों का पता लगाया है, जो कि बाहरी राज्यों की हैं। इन गाड़ियों के मालिकों को नोटिस जारी कर फिजिकल वैरिफिकेशन व डॉक्यूमेंटेशन करवाने के लिए कहा गया है।

पर्वतीय राज्यों पर उच्च स्तरीय कमेटी बनाए केंद्र

शिमला/सत्ता संदेश

हिमाचल सरकार ने राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) बंद होने और केंद्रीय बजट पारित होने से पहले केंद्र सरकार ने दो आग्रह किए हैं। पहला अनुरोध यह किया है कि केंद्र सरकार तत्काल एक उच्च स्तरीय समिति का गठन कर पर्वतीय राज्यों की अर्थव्यवस्था का सही आकलन करवाए, जो 16वें वित्तायोग ने नहीं किया। इस आकलन के अनुसार उनकी विशिष्ट जरूरतों के मुताबिक आरडीजी बहाल करें। दूसरा आग्रह यह है कि इस बीच क्योंकि हिमाचल सरकार को 2026-2027 का प्रदेश का बजट प्रस्तुत करना है, इसलिए वित्तीय वर्ष 2026-2027 के राजस्व घाटे की पूर्ति के लिए केंद्र सरकार अविलंब एक पैकेज राज्य को दे। इस राशि को अनटाइड ग्रांट के रूप में विशेष केंद्रीय सहायता के मद से जारी किया जा सकता है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात में भी यह पक्ष रखा है। इसके पीछे राज्य सरकार ने यह तर्क दिया है कि 16वें वित्त आयोग ने एक आश्चर्यजनक पद्धति अपनाई है। 15वें वित्त आयोग ने राज्यों के राजस्व व खर्चे का आकलन, राज्यवार किया और राज्यों की विशेष परिस्थिति को ध्यान में रखकर आरडीजी की संस्तुति की। 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट के अध्याय 9 को अगर देखें, तो इसमें सभी राज्यों को एक कसौटी पर रखकर संस्तुति की गई है। यह आकलन का स्वस्थ और पारदर्शी तरीका नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 275 (1) को 280(3) (बी) में वित्त आयोग का यह दायित्व है कि वह राज्यों की आवश्यकताओं का राज्यवार स्पष्ट आकलन करे और उनके लिए उस अनुसार संस्तुति करे। जिन 17 राज्यों के लिए 15वें वित्त आयोग ने आरडीजी दी थी, उनमें कुल वार्षिक बजट का आरडीजी का दस प्रतिशत से अधिक हिस्सा मात्र तीन राज्यों में है।

युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेल बेहतरीन विकल्प : संजय अवस्थी

सोलन/सत्ता संदेश

अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि खेल युवाओं को जहां शारीरिक व मानसिक तौर पर स्वस्थ रखते है वहीं नशे से दूर रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संजय अवस्थी आज अर्की विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत डुमैहर में शताब्दी नायक युवक मण्डल डुमैहर द्वारा 15 दिवसीय डुमैहर पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। डुमैहर पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में क्षेत्र की 32 टीमों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

संजय अवस्थी ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेल-कूद एक बेहतरीन विकल्प है। उन्होंने कहा कि एक अच्छा खिलाड़ी सदैव नशे से दूर रहता है और अपने शारीरिक विकास को अहमियत देता है। खेल युवाओं को अनुशासित, टीम वर्क, हार-जीत को अपनाने व आत्मविश्वासी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विधायक ने कहा कि युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करने के लिए खेल अधोसंरचना को बेहतर बनाना आवश्यक है। खेल मैदान, स्टेडियम, खेल अकादमिया व अन्य सुविधाएं युवाओं को उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेश सरकार यथा सम्भव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही अर्की विधानसभा क्षेत्र में युवाओं की सुविधा के लिए एक खेल अकादमी आरम्भ की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम स्थानीय युवाओं को खेलों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को शुभकामनाएं दी।

विधायक ने विजेता टीम सौरव इलेवन घनागुघाट को 51 हजार रुपए व ट्रॉफी और उपविजेता टीम लुटरू महादेव इलेवन चम्यावल को 31 हजार रुपए व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

संक्षिप्त खबरें

रिवालसर में बुजुर्ग बौद्ध भिक्षु की संदिग्ध मौत, कुटिया से शव बरामद

रिवालसर/सत्ता संदेश : जिला मंडी थाना बल्ह क्षेत्र के तहत रिवालसर के नजदीक सरकीधार गांव में एक 78 वर्षीय ओजे छूकी नामक बौद्ध भिक्षु की लाश संदिग्ध हालत में मिली है। भिक्ष की गर्दन और सिर पर गहरे घाव मिले है। प्रारंभिक परिस्थितियों में शव की हालत को देखते हुए हत्या की आशंका जताई गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर कई अहम जानकारियां जुटाई है, आसपास की सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला गया है । फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर घटना के संबंध में फोटो ग्राफ व अन्य कई नमूने एकत्रित किए । मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी मंडी विनोद कुमार ने भी घटनास्थल पहुंच कर पुलिस टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। जानकारी के अनुसार बौद्ध भिक्षुणी पिछले कई वर्षों से सरकीधार स्थित नैना देवी जंगल में बनी बौद्ध गोंपा के नजदीक एक कुटिया में अकेले रहती थी।

सभी रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में बनेंगे इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग प्वाइंट्स

शिमला/सत्ता संदेश : नगर एवं ग्राम नियोजन मंत्री राजेश धर्माणी ने मंगलवार को कहा कि हरित ऊर्जा राज्य के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार प्रतिबद्धता से प्रभावी कदम उठा रही है। इस दिशा में हिमाचल प्रदेश टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (17वां संशोधन) रूल्स, 2026 के अनुसार सभी कॉमर्शियल, पब्लिक, सेमी-पब्लिक बिल्डिंग और रियल एस्टेट परियोजनाओं में इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग प्वाइंटस बनाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रदेश में हिमाचल प्रदेश एनर्जी कंजर्वेशन बिल्डिंग कोड (एचपीइसीबीसी) एंड रूल्स 2018 अनिवार्य किए गए हैं। इन नियमों के तहत 750 वर्ग मीटर अथवा इससे अधिक क्षेत्र में निर्मित हॉस्पिटेलिटी, स्वास्थ्य सेवा, सभागार, व्यावसायिक, शैक्षणिक, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और मिक्स्ड यूज भवन, जो इसीबीसी प्रावधानों के अनुरूप हैं, के बेस एफएआर 1.75 को अतिरिक्त 0.25 फ्लोर एरिया रेशो (एफएआर) की अनुमति प्रदान की जाएगी।

हेडफोन का कम इस्तेमाल करें बच्चे सुनने की क्षमता पर पड़ रहा असर

चंबा/सत्ता संदेश : राजकीय प्राथमिक विद्यालय जडेरा तथा राजकीय मिडिल स्कूल जडेरा में विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर मेडिकल कालेज के ईएनटी एवं एचएनएस विभाग की ओर से विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ईएनटी के विभागाध्यक्ष राकेश ठाकुर, डा. सेयोल अहमद तथा ओडियोलाजिस्ट मनोज कुमार यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। डा. राकेश ठाकुर बच्चों को बताया कि सुनने की शक्ति हमारे दैनिक जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि किसी भी बच्चे को सुनने में कठिनाई, कान में दर्द, लगातार आवाज त्रिभनभिनाहट या अन्य कोई समस्या महसूस हो तो उसे तुरंत अभिभावकों और चिकित्सक को सूचित करना चाहिए। समय पर जांच और उपचार से गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि तेज आवाज में मोबाइल या हेडफोन का उपयोग करने से सुनने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड सकता है।

अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरा श्रद्धालुओं से भरा कैंटर

ऊना/सत्ता संदेश : हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में बुधवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा पेश आया है। यहां धार्मिक स्थलों के दर्शन कर हरियाणा लौट रहे श्रद्धालुओं का कैंटर पीरनिगाह के समीप अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। इस दुर्घटना में 9 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 4 की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया है। हादसे के वक्त वाहन में 10-15 श्रद्धालु सवार थे। जानकारी के अनुसार, हरियाणा के कुरुक्षेत्र (पिहोवा) स्थित गांधी नगर के श्रद्धालु कैंटर में सवार होकर बाबा बड़भाग सिंह मैड़ी और पीरनिगाह में माथा टेकने आए थे। बुधवार रात करीब 11 बजे जब वे वापस लौट रहे थे, तभी पीरनिगाह के पास चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और कैंटर सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरा। हादसे के बाद घायलों को तुरंत क्षेत्रीय अस्पताल ऊना पहुंचाया गया।

ऊना में देर रात तक चली ठेकों की नीलामी, 17 यूनिट बिके, 89.51 करोड़ में नीलाम

ऊना/सत्ता संदेश : इस बार जिला में शराब ठेकों की नीलामी पूरी तरह से ई-ऑक्शन प्रणाली के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित हुई। यह बोली प्रक्रिया दो मार्च को सुबह नौ बजे से शुरू होकर रात 11 बजे तक रही। अंतिम समय तक बोलीदाताओं के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। आबकारी विभाग द्वारा शराब के ठेकों को 22 यूनिटों में आबंटित किया था जिनमें से 17 यूनिट 89,51,90,002 में नीलाम हुए, जबकि इनका रिजर्व प्राइस 86,02,90,001 रुपए निर्धारित किया था। ई-ऑक्शन के समापन पर इन यूनिटों की कुल बिक्री 89,51,90,002 रुपए में हुई। इससे सरकार को 3,49,00,001 रुपए का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ है। आबकारी विभाग के उपायुक्त विशाल गोरला का कहना है कि शराब के 17 यूनिटों की ई-ऑक्शन प्रक्रिया शांतिपूर्वक संपन्न हुई है। इन 17 शराब के यूनिटों का सरकार की तरफ से रिजर्व प्राईज 86,02,90,001 रखा गया था, जो कि 86,02,90,001 रुपए में नीलाम हुए हैं।

सुक्खू सरकार का बेरोजगारों को बड़ा तोहफा, 476 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू

हमीरपुर/सत्ता संदेश

हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार ने राज्य के बेरोजगार युवाओं को बड़ी राहत प्रदान करते हुए सरकारी नौकरियों का रास्ता साफ कर दिया है। सरकार की तरफ से विभागों में करीब 476 पदों को भरने की मंजूरी मिलने के बाद हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) हमीरपुर ने भर्ती प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू कर दी है, जिससे सरकारी नौकरी का इंतजार कर रहे युवाओं में उम्मीद की नई किरण जगी है।

इन प्रमुख पदों पर होगी भर्ती

राज्य चयन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार विभिन्न पोस्ट कोड के तहत भर्तियां की जाएंगी। पोस्ट कोड 26005 के तहत पंचायत सचिव (ट्रेनी) के 119 पद

भरे जाएंगे।

पोस्ट कोड 26008 के तहत स्वास्थ्य सेवा विभाग में ऑपरेशन थिएटर असिस्टैंट (ट्रेनी) के 145 पदों पर भर्ती की जाएगी। वहीं पोस्ट कोड 26012 के अंतर्गत सीनियर लैब टेक्नीशियन (एमएलटी ग्रेड-2) के 10 पद भरे जाएंगे। पोस्ट कोड 26009 के तहत रेडियोग्राफर के कुल 10 पद अधिसूचित किए गए हैं, जिनमें से 5 पद स्वास्थ्य सेवा विभाग और 5 पद मेडिकल एजुकेशन विभाग में भरे जाएंगे। इसी तरह पोस्ट कोड 26007 के तहत फिजियोथैरेपिस्ट/ मनोरोग सोशल वर्कर के 5 पद, पोस्ट कोड 26010 के तहत फार्मासिस्ट (फार्मेसी ऑफिसर) के 4 पद और पोस्ट कोड 26011 के अंतर्गत स्पीच थैरेपिस्ट के 3 पद भरे जाएंगे।

प्राचार्य डॉ. सीता ठाकुर का कार्यकाल बढ़ा

शिमला/सत्ता संदेश

हिमाचल प्रदेश सरकार ने शिमला स्थित इंदिरा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय (ढ्वह्रष्ट)की प्राचार्य डॉ. सीता ठाकुर को एक साल का सेवा विस्तार दिया है। यह विस्तार एक मार्च से 28 फरवरी, 2027 तक के लिए दिया गया है। चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने सार्वजनिक हित में डॉ. ठाकुर को सेवा विस्तार देने की मंजूरी प्रदान की है। सरकार ने कहा कि यह फैसला आईजीएमसी में चल रहे अकादमिक और विकास के कामों और आसान कामकाज तथा संस्थागत स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अनुभवी नेतृत्व में निरंतरता की ज़रूरत को देखते हुए लिया गया है।

बर्फ फेंकने पर भिड़े सैलानी, चाकू लहराया, अटल टनल के पास अमृतसर से आए पर्यटकों का हुड़दंग

कुल्लू/सत्ता संदेश

जिला कुल्लू में इन दिनों बाहरी राज्यों से श्रद्धालुओं का आना लगातार जारी है। पंजाब से आ रहे सैलानियो द्वारा यहां पर हुड़दंग भी मचाया जा रहा है। ऐसे में कई सैलानी बाइक पर सवार होकर जिला कुल्लू के मणिकर्ण तथा मनाली पहुंच रहे हैं और यातायात नियमों की भी अवहेलना कर रहे हैं। गत सोमवार को पंजाब के सैलानियों के द्वारा अटल टनल के नॉर्थ पोर्टल पर भी खूब हुड़दंग मचाया गया। इस दौरान सैलानियों की अन्य लोगों के साथ भी लड़ाई हुई और पंजाब के सैलानियों के द्वारा हवा में चाकू भी लहराया गया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। लोगों द्वारा पुलिस प्रशासन से मांग रखी जा रही है कि इस तरह से हुड़दंग मचाने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। हालांकि पंजाब से आ रहे सैलानियों के द्वारा न तो हेलमेट पहना जा रहा है और न ही ट्रैफिक नियमों की पालना की जा रही है। इस मुद्दे को लेकर भी सोशल मीडिया में लोगों के द्वारा काफी रोष व्यक्त किया जा रहा है।

स्थानीय लोग जितेंद्र राजपूत, रणवीर सिंह व किशन कुमार का कहना है कि पुलिस के द्वारा स्थानीय वाहन चालकों के तो तुरंत चालान काटे जा रहे हैं, लेकिन पंजाब से आ रहे इन सैलानियों के न तो चालान काटे जा रहे हैं और न ही अन्य कार्रवाई अमल मिलाई जा रही है। एसपी लाहलु-स्पीति शिवानी मेहला ने कहा कि गत सोमवार का अमृतसर पंजाब के एक ही क्षेत्र से आए दो बाइकर्स के समूहों के बीच बर्फ फेंकने के मुद्दे को लेकर आपस में झड़प हो गई। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

घर बैठकर की पढ़ाई और 99.89 पर्सेंटाइल लेकर टॉप कर गया गांव का छोरा

घुमारवीं/बिलासपुर/सत्ता संदेश

कहते हैं अगर हौसलों में उड़ान हो तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। इस बात को सच कर दिखाया है बिलासपुर जिला के घुमारवीं उपमंडल के एक होनहार युवक ने। ग्राम पंचायत औहर के छोटे से गांव पलथीं के रहने वाले अतुल धीमान ने यूजीसी नैट की परीक्षा में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अतुल ने 99.89 पर्सेंटाइल हासिल कर जूनियर रिसर्च फैलोशिप (जे आर एफ) में रिकॉर्ड स्थापित किया है। अतुल की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि आज के दौर में जहां प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए युवा लाखों रुपए खर्च कर कोचिंग लेते हैं, वहीं अतुल ने घर पर ही रहकर सैल्फ स्टडी के जरिए यह मुकाम हासिल किया है।

उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से साबित कर दिया कि संसाधनों से ज्यादा महत्वपूर्ण दृढ़ निश्चय होता है। अतुल धीमान ने यह परीक्षा टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन मैनेजमैंट विषय में उत्तीर्ण की है। अतुल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा डीएवी स्कूल घुमारवीं और बिलासपुर से पूरी की। इसके बाद उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने स्वामी विवेकानंद डिग्री कॉलेज, घुमारवीं में दाखिला लिया, जहां से उन्होंने स्नातक डिग्री प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। अतुल धीमान ने अपनी इस शानदार सफलता का पूरा श्रेय अपने माता-पिता, परिवारजनों और गुरुजनों को दिया है।

मैड़ी मेले में झंडा चढ़ाने की रस्म में उमड़े हजारों श्रद्धालु

अंब/सत्ता संदेश

डेरा बाबा बड़भाग सिंह जी मैड़ी में संचालित होली मोहल्ला में मंगलवार को सुबह करीब नौ बजे झंडा चढ़ाने की रस्म के दौरान लाखों की संख्या में एकत्रित हुए श्रद्धालुओं ने एक दूसरे पर रंग फेंक कर व आसमान में गुब्बारे उड़ा कर ढोल नगाड़ों की धुन में नाचकर इस रस्म प्रक्रिया का भरपूर आनंद उठाया व एक दूसरे के गले लग कर होली की मुबारकबाद दी। डेरा बाबा बड़भाग सिंह जी के सेवादार नरेश शर्मा व प्रबंधक कश्मीर सिंह ने बताया कि निशान साहिब को विधि पूर्वक सितारों से सुसज्जित रंगदार कपड़ा चढ़ाने के साथ श्रृंगार आदि करवाने के बाद आगे की रस्म प्रक्रिया को अदा किया गया।

उल्लेखनीय है कि पुराने चोले के कपड़े के कतरन के कुछ भाग को प्राप्त कर आधे से ज्यादा श्रदालु अपने गंतव्य स्थान की ओर रवाना हो गए है। कुछ श्रदालु 4 व 5 मार्च की मध्य रात्री को वितरण होने वाले पंजे प्रसाद को ग्रहण करने के लिए अभी भी मैड़ी में रुके हुए है। 24 फरवरी से शुरू हुए इस ऐतिहासिक होली मेला में लाखों की

संख्या में देश विदेश से आए श्रद्धालुओं ने चरण गंगा में स्नान के बाद डेरा बाबा बड़भाग सिंह के दर्शन कर अपनी मन्नतें मांगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन व प्रबंधकों की ओर से पुख्ता प्रबंध किए गए थे। श्रद्धालुओं की जेबें नहीं कटीं व न ही कोई अप्रिय घटना हुई है।

श्रद्धालुओं को सुविधाएं

एसडीएम अंब पारस अग्रवाल ने बताया कि मेले में श्रद्धालुओं की सभी मूलभूत सुविधाओं का विशेष प्रबंध किया गया है। सभी विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने बड़ी ईमानदारी एवं कर्तव्य निष्ठा से अपने कर्तव्य का निर्वहन किया है।

एएसपी संजीव भाटिया के बोल

एएसपी संजीव भाटिया ने बताया कि मेले के दौरान कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पूरी निगरानी बरती जा रही है। असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए पुलिस जवान पूरी तरह चौकसी बनाए हुए हैं।

सचखंड श्री हरमंदिर साहिब में सोने की धुलाई की सेवा शुरू

☛एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी, ज्ञानी अमरजीत सिंह और भाई साहिब भाई महिंदर सिंह बर्मिंघम सहित प्रमुख हस्तियां उपस्थित थीं

अमृतसर/सत्ता संदेश

आज अरदास के बाद सचखंड श्री हरमंदिर साहिब श्री दरबार साहिब में स्थापित सोने की धुलाई और सफाई का कार्य प्रारंभ किया गया। यह कार्य शिरोमणि समिति द्वारा गुरु नानक निष्काम सेवक जत्था बर्मिंघम के प्रमुख भाई साहब भाई मोहिंदर सिंह को सौंपा गया है। सचखंड श्री हरमंदिर साहिब के गुंबदों पर स्थापित सोने की धुलाई के कार्य के प्रारंभ के अवसर पर एसजीपीसी अध्यक्ष अधिवक्ता हरजिंदर सिंह धामी, सचखंड श्री हरमंदिर साहिब के अतिरिक्त मुख्य ग्रंथी ज्ञानी अमरजीत सिंह और निष्काम सेवक जत्था के प्रमुख भाई साहब भाई मोहिंदर सिंह तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर एसजीपीसी अध्यक्ष अधिवक्ता हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि सचखंड श्री हरमंदिर साहिब में स्थापित सोने की स्वच्छता और रखरखाव को ध्यान में रखते हुए, इसकी समय-समय पर धुलाई की जाती है, जो गुरु नानक

निष्काम सेवा जत्था बर्मिंघम के प्रमुख भाई साहब भाई महिंदर सिंह बर्मिंघम द्वारा संगत के सहयोग से की जाती है। उन्होंने कहा कि निष्काम सेवक जत्था यह सेवा स्वेच्छा से करता है। वे सचखंड श्री हरमंदिर साहिब, श्री अकाल तख्त साहिब, गुरुद्वारा बाबा अटल राय साहिब और घंटा घर ड्योढ़ी के गुंबदों पर स्थापित सोने की परत की भी धुलाई करते हैं। उन्होंने कहा कि निष्काम सेवक जत्था आवश्यकतानुसार सचखंड श्री हरमंदिर साहिब के आंतरिक भाग में सोने की परत और तामचीनी की मरम्मत का कार्य भी निरंतर करता रहता है। एसजीपीसी अध्यक्ष ने गुरु नानक निष्काम सेवक जत्था के सेवकों को धन्यवाद दिया और आशा व्यक्त की कि वे इसी प्रकार गुरुघर की सेवा करते रहेंगे।

इसी बीच, गुरु नानक निष्काम सेवक जत्था बर्मिंघम के प्रमुख भाई साहब मोहिंदर सिंह ने बताया कि गुरु साहब की कृपा से, शिरोमणि समिति के सहयोग से जत्था प्रतिवर्ष सोने की धुलाई का कार्य करता है। इसी क्रम में, इस बार भी संगत विशेष रूप से सोने की धुलाई के लिए आई है। उन्होंने बताया कि यह सेवा लगभग 10-12 दिनों तक चलेगी, जिसके दौरान पवित्र स्थान के बाहरी हिस्से पर लगे सोने की धुलाई प्राकृतिक तरीके से की जाएगी।

उन्होंने यह भी बताया कि सोने की धुलाई के लिए रीठा उबालकर पानी और नींबू के रस का प्रयोग किया जाता है। यह पूरी तरह से प्राकृतिक विधि है और इसमें किसी भी रसायन का प्रयोग नहीं किया जाता है।

सेवा की शुरुआत के मौके पर एसजीपीसी के अंतरिम सदस्य गुरप्रीत सिंह झब्बर, सदस्य भाई राजिंदर सिंह मेहता, स. फुमन सिंह, बाबा सतनाम सिंह किला आनंदगढ़, सिख विद्वान भाई गुरबख्श सिंह गुलशन, सचिव स. बलविंदर सिंह काहलवां, निजी सचिव शाहबाज सिंह, उप सचिव हरभजन सिंह वक्ता, श्री दरबार साहिब के प्रबंधक भगवंत सिंह धंगेरा, प्रबंधक जसपाल सिंह, अतिरिक्त प्रबंधक गुरविंदर सिंह देवीदासपुर, भाई प्रेम सिंह, भाई इंद्रजीत सिंह, भाई इंद्रजीत सिंह मौजूद थे। गुरदयाल सिंह, भाई गुरनाम सिंह, भाई अमृतपाल सिंह, भाई सोमा सिंह, भाई इकबाल सिंह, शमशेर सिंह जेई व अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़; नाबालिग समेत छह लोग पांच पिस्तौल के साथ गिरफ्तार

चंडीगढ़/अमृतसर/सत्ता संदेश

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित बनाने के लिए चल रहे अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से अवैध हथियारों की तस्करी में शामिल एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से एक नाबालिग है। उनके पास से पांच आधुनिक पिस्तौल और एक धारदार हथियार बरामद किया गया है। यह जानकारी आज पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान रोहित कुमार (18), निवासी मकबूलपुरा, अमृतसर; करणबीर सिंह उर्फ अजय (24), निवासी काले तरन तारन; जसदीप सिंह उर्फ ज्ञानी (18), ओंकार सिंह उर्फ वंश (21) और आकाशदीप सिंह (24), ये तीनों निवासी मारी मेघा, तरन तारन के निवासी हैं, और एक 16 वर्षीय नाबालिग के रूप में हुई है। बरामद हथियारों में एक .30 बोर, एक 9 मिमी ग्लॉक, एक .30 बोर पीएक्स5, एक

■ **आगे की जांच जारी है; आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां और बरामदगी होने की संभावना है : गुरप्रीत भुल्लर**

9 मिमी टॉरस और एक 9 मिमी ग्रेटा (पाकिस्तान निर्मित) और 34 जिंदा कारतूस शामिल हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे और ड्रोन के माध्यम से सीमा पार से हथियारों की खेप प्राप्त करते थे।

उन्होंने आगे बताया कि आरोपी अपने संचालकों के निर्देश पर हथियारों की खेप प्राप्त करते थे और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचाते थे।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले की पूरी जानकारी जुटाने और पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है। ऑपरेशन का विवरण साझा करते हुए, अमृतसर के पुलिस आयुक्त (सीपी) गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गश्त और संदिग्धों की जाँच के दौरान त्वरित कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीमों ने रोहित कुमार को एक नाबालिग के साथ गिरफ्तार किया।

पंजाब सरकार रंगला पंजाब के सपने को साकार करने के लिए समर्पित

भावना के साथ सेवा और विकास के लिए प्रतिबद्ध है : गुलाब चंद कटारिया

☛राज्यपाल के अनुसार, मुफ्त दवाइयां और जांच प्रदान करने वाले 881 आम आदमी क्लीनिकों में उपचार के लिए ओपीडी में आने वाले लोगों की संख्या 4.7 करोड़ दर्ज की गई है ☛ पंजाब सरकार ने राज्य में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि, अवसंरचना, निवेश और जन कल्याणकारी पहलों का विस्तार किया है

चंडीगढ़/सत्ता संदेश

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज पंजाब और पंजाबियों की सेवा के लिए राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार राज्य को विकास के पथ पर अग्रसर करने और इसे एक गतिशील एवं प्रगतिशील रंगला पंजाब बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है।

पंजाब विधानसभा के 16वें सत्र के बारहवें बजट सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि, अवसंरचना, शासन, कल्याण, उद्योग और सार्वजनिक सेवाओं के क्षेत्र में पंजाब सरकार द्वारा की गई पहलों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। पंजाब सरकार द्वारा जन स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने के प्रयासों का जिक्र करते हुए राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा, पंजाब सरकार एक मजबूत, सामूहिक और जन-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा प्रणाली स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो 23 जिला अस्पतालों, 42 उप-मंडल अस्पतालों, 162 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, 523 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, 881 आम आदमी क्लीनिकों और 2453 स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों को मिलाकर एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क संचालित करके प्रत्येक नागरिक को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और किफायती उपचार सुनिश्चित करे।

उन्होंने कहा कि यह प्रतिबद्धता प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए पंजाब सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने आगे कहा, ÷पंजाब भर में 881 आम आदमी क्लीनिक 107 दवाएं और 47 जांचें मुफ्त में उपलब्ध करा रहे हैं और ओपीडी में आने वाले लोग अब तक 47 लाख से अधिक बार ओपीडी का लाभ उठा चुके हैं, जिनमें 15 लाख गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीज भी शामिल हैं। 2025-26 में यह संख्या दो करोड़ से अधिक हो जाएगी। 240 और आम आदमी क्लीनिक जल्द ही चालू हो जाएंगे।

राज्यपाल ने कहा, पंजाब भर में आम आदमी क्लीनिकों में शुरू की गई मातृ एवं शिशु देखभाल सेवाओं ने मातृ मृत्यु दर को 105 से घटाकर 90 करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जो सुरक्षित मातृत्व पर पंजाब सरकार के निरंतर ध्यान को दर्शाता है। पंजाब सरकार ने आम आदमी क्लीनिकों में रेबीज रोधी टीकाकरण सेवाएं भी शुरू कर दी हैं।÷

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों की मजबूती पर जोर देते हुए राज्यपाल ने कहा, पंजाब सरकार ने इतिहास में डॉक्टरों की सबसे बड़ी भर्ती की है। 2022 से पंजाब सरकार ने सरकारी अस्पतालों के लिए कुल 934 डॉक्टरों की भर्ती की है, जो पंजाब में वर्तमान में कार्यरत कुल डॉक्टरों का लगभग 25 प्रतिशत है।

उन्होंने आगे कहा, पंजाब सरकार ने लगभग 400 विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती और पंजीकरण शुरू कर दिया है, जो विशेषज्ञ सेवाओं का अब तक का सबसे बड़ा विस्तार है।

इसी तरह, 400 नर्सिंग स्टाफ की भर्ती लगभग पूरी हो चुकी है, जबकि 500 अतिरिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। व्यापक स्वास्थ्य सेवा का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा, पंजाब सरकार ने मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत पंजाब की पूरी आबादी को शत प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने के लिए एक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली लागू की है।

भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली कैबिनेट द्वारा वर्ष 2026-27 के बजट अनुमानों को मंजूरी

चंडीगढ़/सत्ता संदेश

■ **मंत्रिमंडल ने बजट अनुमानों और अनुदानों के लिए पूरक मांगों को दी मंजूरी**

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने विधानसभा के मौजूदा बजट सत्र में वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान की पूरक मांगों, वर्ष 2026-27 के लिए बजट अनुमानों और वर्ष 2024-25 के लिए सीएजी लेखापरीक्षा रिपोर्टों को प्रस्तुत करने को मंजूरी दे दी है।

इस संबंध में निर्णय पंजाब विधानसभा सचिवालय में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के दौरान लिया गया।

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान की पूरक मांगों को मंजूरी दे दी है। इसी प्रकार, मंत्रिमंडल ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा द्वारा 8 मार्च को वर्ष 2026-27 के लिए पंजाब के बजट अनुमानों को प्रस्तुत करने को भी मंजूरी दे दी है। मंत्रिमंडल ने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) और पंजाब सरकार के वित्तीय एवं विनियोग खातों को विधानसभा के पटल पर रखने को भी मंजूरी दे दी है।

पंजाब विधानसभा ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित

चंडीगढ़/सत्ता संदेश

पंजाब विधानसभा ने आज विधानसभा के अंतिम सत्र के बाद दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। 16वीं पंजाब विधानसभा के 12वें बजट सत्र के दौरान सदन ने पंजाब के पूर्व मंत्री रघबीर सिंह, पंजाब विधानसभा के पूर्व सदस्य एस. गुरदीप सिंह भैनी, स्वतंत्रता सेनानी दलीप सिंह, शहीद जोबनजीत सिंह, पनसीड के पूर्व चेयरमैन अशोक धीर, कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा के ससुर संदीप गल्होत्रा, पंजाब के विधायक डॉ. अजय गुप्ता की पत्नी रेनू गुप्ता, पंजाब के विधायक डॉ. सुखविंदर कुमार के पिता सुखी राम कृष्ण, पंजाब के विधायक नछत्तर के भाई पलविंदर सिंह सुखी को श्रद्धांजलि दी। कुमार, प्रख्यात पत्रकार एच.के. दुआ, पंजाब विधानसभा के पूर्व सचिव जी.एल. कौल, पंजाबी कवि नवरही घुग्याणवी, भारतीय टेलीविजन ब्रांड तक्षशिला के संस्थापक राजा सिंह। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत आत्माओं की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बिजली की दरें :

घरेलू उपभोक्ता

- प्रति माह 300 यूनिट मुफ्त होंगी (जिससे 90ब से अधिक परिवारों को लाभ होगा)
- **300 यूनिट तक** : कीमत 5.40 रुपये से घटाकर 3.85 रुपये प्रति यूनिट कर दी गई है (1.55 रुपये की छूट)
- **300 से अधिक यूनिट** : कीमत 7.75 रुपये से घटाकर 7.05 रुपये प्रति यूनिट कर दी गई है (0.70 रुपये की छूट)

व्यवसाय उपभोक्ता

- **500 यूनिट तक** : कीमत 6.89 रुपये से घटाकर 6.10 रुपये प्रति यूनिट कर दी गई है (0.79 रुपये की छूट)
- 500 से अधिक यूनिट- कीमत 7.75 रुपये से घटाकर 7.10 रुपये प्रति यूनिट कर दी गई है (0.65 रुपये की छूट)

औद्योगिक उपभोक्ता

- **लघु उद्योग** : प्रति इकाई 5.82 रुपये से घटाकर 5.70 रुपये कर दिया गया है।
- मध्यम उद्योग : प्रति यूनिट मूल्य 6.25 रुपये से घटाकर 5.83 रुपये कर दिया गया है।
- **बड़े उद्योग** : प्रति यूनिट कीमत 6.60 रुपये से घटाकर 5.90 रुपये कर दी गई है।
- प्रति यूनिट 0.74 रुपये तक की राहत

ईवी चार्जिंग स्टेशन

- कीमत 6.28 रुपये से घटकर 5 रुपये प्रति यूनिट हो गई है।
- भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सबसे कम चार्जिंग दरों में से एक।

अन्य प्रमुख लाभ

उपभोक्ताओं को 7851 करोड़ रुपये की राहत

- बिजली की औसत लागत घटकर 6.15 रुपये प्रति यूनिट हो गई है (पिछले 10 वर्षों में सबसे कम)।
- पीएसपीसीएल का मुनाफा 2634 करोड़ रुपये है और इसे ए+ रेटिंग मिली है।

विधानसभा पहुंचने पर पंजाब के राज्यपाल का गर्मजोशी से स्वागत

चंडीगढ़/सत्ता संदेश

पंजाब विधानसभा अध्यक्ष स. कुलतार सिंह संधवान ने पंजाब के मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के साथ आज पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया का पंजाब विधानसभा पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर पंजाब पुलिस द्वारा राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राज्यपाल बजट सत्र के पहले दिन सदन को संबोधित करने के लिए पंजाब विधानसभा पहुंचे थे। राज्यपाल ने उनके गर्मजोशी भरे स्वागत पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा, कैबिनेट मंत्री एस. हरपाल सिंह चीमा, कैबिनेट मंत्री श्री अमन अरोरा, पंजाब के संसदीय कार्य मंत्री डॉ. रवजोत सिंह, पंजाब के मुख्य सचिव श्री के.ए.पी. सिन्हा, बहुजन समाज पार्टी के एस. नछत्तर पाल, शिरोमणि अकाली दल के एस. मनप्रीत सिंह अयाली और भाजपा के एस. जंगी लाल महाजन उपस्थित थे।

पंजाब में घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए बिजली की दरों में कटौती

चंडीगढ़/सत्ता संदेश

घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 1.5 रुपये तक की कमी, वाणिज्यिक दरों में 79 पैसे तक की कमी और औद्योगिक दरों में 74 पैसे तक की कमी का लाभ मिलेगा। टैरिफ में कमी और नीतिगत सुधारों से लघु एवं मध्यम उद्यमों को मजबूती मिलेगी और पंजाब की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा : संजीव अरोरा पंजाब में घरों, व्यवसायों और उद्योगों को राहत देने के लिए बिजली के विभिन्न शुल्कों में कमी की गई है- संजीव अरोरा इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग दरों में 5 रुपये प्रति यूनिट की कमी की गई है। पीएसपीसीएल ए+ रेटिंग और 2634 करोड़ रुपये के मुनाफे के साथ सबसे कुशल लाभ कमाने वाली संस्था बन गई।

पंजाब भर के घरों, व्यवसायों और उद्योगों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए उपभोक्ताओं की विभिन्न श्रेणियों के लिए बिजली की दरों में कमी की गई है, जिससे घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली की दरों में 1.5 रुपये प्रति यूनिट तक, वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए 79 पैसे प्रति यूनिट और औद्योगिक इकाइयों के लिए 74 पैसे प्रति यूनिट तक की कमी आई है।

पंजाब राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा आईएएस (सेवानिवृत्त) विश्वजीत खन्ना की

- **मंत्रिमंडल ने बजट अनुमानों और अनुदानों के लिए पूरक मांगों को मंजूरी दी**
- **मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा 8 मार्च को वर्ष 2026-27 के लिए बजट अनुमान प्रस्तुत करेंगे**
- **मंत्रिमंडल ने सीएजी की वर्ष 2024-25 की लेखा रिपोर्ट, वित्तीय एवं विनियोग लेखा प्रस्तुत करने को मंजूरी दी**

अध्यक्षता में और सदस्यों रविंदर सिंह सैनी (तकनीकी सदस्य) और रवि कुमार (कानूनी सदस्य) की उपस्थिति में जारी किया गया नया टैरिफ आदेश 1 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2027 तक प्रभावी रहेगा। इस फैसले को जनहित में उठाया गया एक बड़ा कदम बताते हुए विद्युत मंत्री संजीव अरोरा ने कहा कि विभिन्न श्रेणियों के शुल्कों में कमी से घरेलू उपभोक्ताओं को काफी राहत मिलेगी, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को मजबूती मिलेगी और पंजाब में औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग शुल्क को घटाकर 5 रुपये प्रति यूनिट करना, जो देश में सबसे कम है, और पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) की वित्तीय स्थिति में सुधार, जिसने ए+ रेटिंग हासिल की है और 2634 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है, एक महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय मंत्री भगवंत सिंह मान के कुशल नेतृत्व में पंजाब के विद्युत क्षेत्र की बढ़ती दक्षता का स्पष्ट प्रमाण है। संशोधित टैरिफ संरचना से न केवल बिजली क्षेत्र की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी, बल्कि उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली भी मिलेगी। घरेलू उपभोक्ताओं को खपत स्लैब के आधार पर 1.5 रुपये प्रति यूनिट तक की छूट मिलेगी, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को 79 पैसे प्रति यूनिट तक की छूट का लाभ मिलेगा और औद्योगिक उपभोक्ताओं को 74 पैसे प्रति यूनिट तक की छूट मिलेगी। मीडिया से बात करते हुए ऊर्जा मंत्री संजीव अरोरा ने कहा, अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दूरदर्शी नेतृत्व में पंजाब सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि बिजली की दरें उपभोक्ता-अनुकूल बनी रहें और साथ ही राज्य में औद्योगिक विकास और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिले।

रोहित की 'गोलमाल 5' में हुई प्रियामणि की एंट्री

निर्देशक रोहित शेट्टी ने अपनी फेमस कॉमेडी फ्रेंचाइज %गोलमाल' की पांचवीं किस्त पर काम शुरू कर दिया है। खास बात यह है कि इस बार फिल्म में अक्षय कुमार जुड़ रहे हैं। वहीं फिल्म को लेकर एक नया अपडेट भी सामने आया है। इस फिल्म में एक नया चेहरा भी शामिल हुआ है। यह कोई और नहीं बल्कि प्रियामणि हैं, जिन्होंने हाल ही में %द फैमिली मैन' सीरीज से खूब लोकप्रियता हासिल की थी। प्रियामणि का किरदार फिलहाल गुप्त रखा गया लेकिन उन्होंने अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म का यह शेड्यूल लगभग एक महीने तक चलेगा। सूत्रों के मुताबिक ... फिल्म की शूटिंग मुंबई में शुरू हो गई है। पहले शेड्यूल में ज्यादातर मुख्य कलाकार पहले से शामिल हुए, जबकि अजय देवगन 25 फरवरी से शूटिंग में शामिल हुए। बता दें कि इस फिल्म में अजय, अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल क्येमु और श्रेयस तलपदे वापसी कर रहे हैं। इसके अलावा जॉनी लीवर, संजय मिश्रा, मुकेश तिवारी और अश्विनी कालसेकर भी अपनी पुरानी शैली में नजर आएंगे। जबकि करीना कपूर खान की मौजूदगी पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। फिल्म में पारंपरिक ह्यूमर के साथ-साथ कुछ फैंटेसी एलिमेंट्स भी शामिल किए जाएंगे, जिससे इसे पहले से और भी बड़ा बनाया जा सके। %गोलमाल' सीरीज की पहली फिल्म 2006 में आई थी और अब ये 20 साल पूरे कर रही है। चार फिल्मों से इसने 600 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाए हैं। %गोलमाल 5' को अब तक की सबसे बड़ी और शानदार फिल्म बताया जा रहा है। प्रियामणि ने कई चर्चित बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में काम किया है।

'लैला मजनू' के लिए तृप्ति ने लिया था कम मेहनताना

तृप्ति डिमरी आज के समय में बॉलीवुड का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने कम समय में फिल्म इंडस्ट्री में खूब पहचान बना ली है। आज उनके पास किसी भी चीज की कोई कमी नहीं है। उत्तराखंड से ताल्लुक रखने वाली तृप्ति ने अपना फिल्मी करियर साल 2017 में आई श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम' से एक छोटे से रोल से शुरू किया था।

पहली फिल्म में तृप्ति का स्क्रीनटाइम सिर्फ कुछ मिनटों का ही था। बतौर लीड एक्ट्रेस उनकी पहली फिल्म %पोस्टर बॉयज' थी, जो साल 2017 में ही आई थी। श्रेयस तलपड़े, सनी देओल, बॉबी देओल, सोनाली कुलकर्णी, रणधीर राय और समीक्षा भटनागर इस फिल्म का हिस्सा थे। इतने कलाकार होने के बावजूद यह कॉमेडी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी और बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई थी । तृप्ति को असली पहचान साल 2018 की फिल्म 'लैला मजनू' से मिली थी।

-इम्तियाज अली और साजिद अली की फिल्म %लैला मजनू' में तृप्ति को काफी पसंद किया गया. था। इस फिल्म के जरिए वह हर तरफ छा गई थीं, लेकिन क्या आप यह जानते हैं कि इस फिल्म के लिए उन्हें फीस कितनी मिली थी। आज के समय में तृप्ति की गिनती बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में होती है। वह किसी फिल्म के लिए करोडों रुपये चार्ज करती हैं। इन दिनों वह अपनी लेटैस्ट रिलीज फिल्म %ओ रोमियो' को लेकर चर्चा में चल रही हैं, जिसमें वह शाहिद कपूर के साथ दिखी हैं।

रिपोर्टस की मानें तो इस फिल्म के लिए उन्हें 6 करोड़ रुपये की फीस मिली है। हालांकि, लैला मजन के लिए उनकी फीस काफी कम थी। रिपोर्ट्स में ऐसा बताया जाता है कि %लैला मजनू' के लिए तृप्ति को 25 लाख रुपये मिले थे। वह इस पिक्चर में अविनाश तिवारी के साथ नजर आई थीं। दोनों की जोड़ी पर्दे पर ऑडियंस को काफी पसंद आई थी। अब भी यह फिल्म लोगों के दिलों में बसती है। 'लैला मजनू' के बाद वह 'कला', %बुलबुल' जैसी बेहतरीन फिल्मों में दिखीं। साल 2023 में वह रणबीर कपूर के साथ 'एनिमल' में नजर आईं। इस फिल्म से भी उन्हें अच्छी-खासी पॉपुलैरिटी हासिल हुई। बता दें तृप्ति डिमरी आज 32 साल की हो चुकी हैं।

एक्ट्रेस का जन्म 23 फरवरी 1994 को उत्तराखंड के गढ़वाल में हुआ था, लेकिन, उनकी परवरिश और पढ़ाई-लिखाई दिल्ली में हुई थी। उनके पिता दिनेश डिमरी 'रामलीला' के कलाकार रहे हैं और इस वजह से शुरू से ही तृप्ति का भी झुकाव एक्टिंग की तरफ था। आगे जाकर उन्होंने मॉडलिंग का काम किया और फिर अभिनेत्री फिल्मी दुनिया में आ गई थीं। 8 साल के करियर में तृप्ति ने एनिमल, पोस्टर बॉय, बुलबुल, लैला मजनू, कला, बैड न्यूज, भूल भुलैया 3 जैसी फिल्मों में काम किया है। इन दिनों वह फिल्म 'ओ रोमियो' में नजर आ रही हैं। जबकि वह अपकमिंग फिल्म %स्पिरिट' में तेलुगू सुपरस्टार प्रभास के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी।

डिजिटल युग में मेलों की रौनक व मनोरंजन का साधन कठपुतलीयां अपनी पहचान से भी मोहताज

पटियाला/सत्ता संदेश

कभी मेलों, त्यौहारों और गांवों की चौपालों की रौनक रही कठपुतली कला आज टैक्नोलॉजी के बढ़ते प्रभाव के कारण अपनी पहचान से भी मोहताज हो चुकी है। डिजिटल युग में जहां मनोरंजन के अनेक साधन उपलब्ध हैं, वहीं युवा पीढ़ी का बड़ा हिस्सा इस परम्परागत कला से अवगत भी नहीं, जिस कला ने कभी समाज को शिक्षात्मक व नैतिक संदेश दिए, वह आज लापरवाही का शिकार बनती नजर आ रही है। पुराने समय में कठपुतली मात्र मनोरंजन का साधन नहीं थी, बल्कि यह जन-जागरूकता का प्रभावशाली माध्यम भी रही है। जब गांवों में कठपुतली का डेरा लगता था तो बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक प्रत्येक वर्ग में विशेष उत्साह देखा जाता था। लोग देर रात्रि तक बैठकर रंगमंची अंदाज में पेश की कहानियों का आनंद उठाते थे। ऐतिहासिक तौर पर राजाओं की वीरता, लोक गाथाओं, धार्मिक कथाओं व नैतिक शिक्षा को कठपुतलियों के जरिये पेश किया जाता था। धागों से चलने वाली पुतलों के जरिये कहानियां पेश करना इस कला की विलक्षण पहचान रही है। विशेषतौर पर राजस्थान में विकसित हुई यह परम्परा भारतीय लोक नाटक की अहम कड़ी मानी जाती है। इतिहासकारों के अनुसार भट्ट भाईचारे ने इस कला को पीढ़ी दर पीढ़ी जीवित रखा। देश की राजधानी नई दिल्ली की प्रसिद्ध कठपुतली कालोनी भी कलाकारों का प्रमुख केन्द्र रही है। कला विद्वानों का मानना है कि कठपुतली का खेल सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता व नैतिक मूल्यों की स्थापना में सहायक साबित होते थे। यह प्रदर्शन लोगों को इकट्ठा कर साझी सभ्याचारक पहचान को मज़बूत बनाते थे परंतु मौजूदा दौर में मोबाइल फोन, टैलीविजन् व सोशल मीडिया ने मनोरंजन के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है।

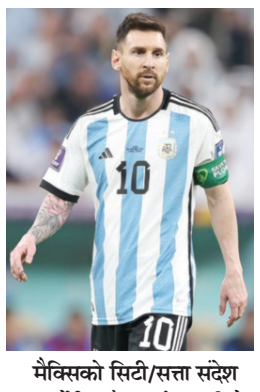

मैक्सिको सिटी/सत्ता संदेश

अर्जेंटीना के वर्ल्ड कप विजेता कप्तान लियोनेल मेसी ने अपने करियर और निजी जीवन से जुड़े कई अहम पहलुओं पर खुलकर बात की है। एक मैक्सिकन पॉडकास्ट के दौरान मेसी ने स्वीकार किया कि बचपन में अंग्रेजी न सीख पाना उन्हें अब भी खलता है। 38 वर्षीय मेसी ने कहा, %मुझे कई बातों का अफसोस है, लेकिन बचपन में अंग्रेजी न सीखना सबसे बड़ा पछतावा है। मेरे पास समय था, मैं पढ़ सकता था। करियर के दौरान मुझे दुनिया की कई बड़ी और प्रभावी हस्तियों से मिलने

बचपन में अंग्रेजी न सीख पाने का अब भी मलाल, खुलकर बातचीत नहीं कर सका-मेसी

- **अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी ने बचपन, परिवार, देश बदलने, रिश्ते के बारे में बात की**

का मौका मिला, लेकिन भाषा की कमी के कारण मैं उनसे खुलकर संवाद नहीं कर सका। मैं ऐसे पलों में खुद को आधा अनजान महसूस करता था।' अमेरिका के मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी के लिए खेल रहे मेसी अब अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा और तैयारी के महत्व के बारे में लगातार समझाते हैं। मेसी 13 साल की उम्र में अपने शहर रोसारियो से स्पेन पहुंचे और बार्सिलोना की प्रसिद्ध एकेडमी ला मासिया से जुड़े। उन्होंने भावुक होकर याद किया, 'पूरा मोहल्ला हमें एयरपोर्ट छोड़ने आया था। वे लियो मेसी को नहीं, बल्कि मेसी परिवार को विदा कर रहे थे।' स्पेन में उनका पहला साल बहुत कठिन था। ट्रांसफर नियमों के कारण वे छह महीने तक नहीं खेल पाए और जब खेलने का मौका मिला, तो चोटिल होकर 3 महीने के लिए बाहर हो गए थे। स्पेन में पले-बढ़े और पूरा क्लब करियर वहीं बनाने के कारण मेसी के पास स्पेन की नेशनल टीम से खेलने का विकल्प भी था। उस समय स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन ने उन्हें मनाने की कोशिश की, लेकिन मेसी ने साफ किया कि उनके मन में कभी भ्रम नहीं था। उनका दिल हमेशा अर्जेंटीना के साथ था। करियर के कठिन दौर में जब अर्जेंटीना बड़े टूर्नामेंटों के फाइनल हार रहा था, तब कुछ आलोचकों ने सवाल उठाए थे कि शायद स्पेन के साथ खेलते. तो मेसी ज्यादा ट्रॉफी जीतते, लेकिन मेसी ने फैसले पर कभी पछतावा नहीं किया। आठ बार बैलेन डि'ओर जीत चुके मेसी ने स्वीकारा कि भले ही उन्होंने फुटबॉल में इतना कुछ हासिल किया, लेकिन सीखने व बेहतर बनने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती।

संक्षिप्त खबरें

सबकी नजरें आप पर टिक जाएंगी!

होली का त्योहार रंगों, मस्ती और उत्साह से भरा होता है। ऐसे में अगर आप होली पार्टी में जा रहे हैं तो कपड़ों का चुनाव सोच-समझकर करना जरूरी है। होली पार्टी में स्टाइल और कम्फर्ट दोनों जरूरी हैं। सही कपड़े, सही फुटवियर और थोड़ी सी तैयारी आपके होली लुक को परफेक्ट बना सकती है। सही आउटफिट न केवल आपको स्टाइलिश लुक देगा, बल्कि रंगों और पानी से भी बचाएगा। इस बार होली पर ऐसा आउटफिट चुनें जो आपको ट्रेंडी भी दिखाए और पूरे दिन आराम भी दे। होली पार्टी के लिए बेस्ट आउटफिट आइडियाज, फैशन टिप्स और जरूरी स्टाइल गाइड जो रंगों के इस त्योहार में फैशन के साथ मस्ती का मजा दोगुना बना सकते हैं।

रंग खेलने से पहले रखें विशेष ध्यान

होली का त्योहार खुशियों और रंगों का उत्सव है, लेकिन जिनकी त्वचा संवेदनशील है या चेहरे पर पहले से दाने और मुहांसे हैं, उनके लिए यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। बाजार में मिलने वाले गुलाल और पक्के रंगों में अक्सर अभ्रक, सीसा और क्रोमियम जैसे हानिकारक रसायन होते हैं, जो त्वचा के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकते हैं। खासतौर पर अगर चेहरे पर पहले से दाना हो तो रंग खेलना बहुत नुकसानदायक हो सकता है। दरअसल जब ये केमिकल मुहांसों के संपर्क में आते हैं, तो संक्रमण बढ़ने, सूजन और चेहरे पर स्थायी दाग-धब्बे पड़ने का खतरा अधिक हो जाता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक मुहांसे वाली त्वचा पर रंग खेलने से पहले कुछ सावधानियां बरतना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि रंगों में मौजूद बारीक कण दानों को छील सकते हैं, जिससे दर्द और जलन बढ़ सकती है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। रंग खेलने से कम से कम 20 मिनट पहले चेहरे पर हल्का नारियल तेल या नॉन-कॉमेडोजेनिक मॉइस्चराइजर लगाएं।

नई कैशलैस योजना लगाएगी सड़क हादसों के पीड़ितों के जख्मों पर मरहम

नई दिल्ली/सत्ता संदेश : सड़क हादसों में घायल होने वाले लोगों को अकसर अस्पतालों के भारी बिलों व कानूनी दांव-पेचों का सामना करना पड़ता है, परंतु अब केन्द्र सरकार ने दिशा में एक ऐतिहासिक व ठोस कदम उठाया है। सरकार की रिपोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार सड़क हादसे के पीड़ितों को समयबद्ध व निःशुल्क इलाज देने के लिए पूरी तरह तैयार है। रिपोर्ट के अनुसार मोटर व्हीकल एक्ट 1988 की धारा 146 के मुताबिक किसी भी मोटर वाहन को जायज़ थर्ड पार्टी से बिना सार्वजनिक स्थल पर नहीं चलाया जा सकता। यह भी कि धारा 147 के तहत यह ज़रूरी है कि एक अधिकारिक बीमा कम्पनी द्वारा जारी पॉलिसी किसी व्यक्ति की मौत या शारीरिक चोट और सम्पत्ति के नुक्सान को कवर करेगी जोकि सार्वजनिक स्थलों पर वाहन का उपयोग करना होता है। इसके अलावा सार्वजनिक सेवा वाले वाहनों के यात्रियों के लिए देनदारी को भी इसमें शामिल किया गया है। कानूनी में स्पष्ट तौर पर वह स्थितियां बताई गई हैं,जिनमें बीमा कम्पनी हादसे के कारण हुए तीसरे पक्ष की देनदारी की पूर्ति करने के लिए पाबंद हैं। सरकार ने मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 162 के तहत सड़क हादसे के पीड़ितों के लिए कैशलैस इलाज योजना 5 मई 2025 को अधिसूचित कर दी है। इसके साथ ही 4 जून 2025 को विस्तृत दिशा-निर्देश व स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर भी जारी किए गए हैं ताकि विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियां तय की जा सकें। अस्पतालों को अब पैसों का इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा। इसलिए %मोटर व्हीकल एक्सीडेंट फंड' बनाया गया है। यदि हादसा करने वाला वाहन बीमाशुदा है, तो जनरल इंश्योरेंस कम्पनियां पैसा देंगी, परंतु यदि वाहन का बीमा नहीं है तो भी पीड़ित को इलाज मिलेगा, जिसका खर्च सरकार द्वारा बजट के जरिये दिया जएगा।

भारतीयों की अमरीका में बढ़ती जा रही हैं परेशानियां

लुधियाना/सत्ता संदेश : अमरीका में भारतीयों की परेशानी बढ़ती जा रही है। अमरीका के डिपार्टमैंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डी.एच.एस.) ने एक नई बैवसाइट पर बुरे से बुरे (वर्स्ट ऑफ वर्स्ट) करीब 25 हजार गैर-कानूनी प्रवासी अपराधियों की जानकारी सार्वजनिक की है। इस वैबसाइड में अमरीकी इमिग्रेशन एंड कस्टम इन्फोर्समेंट (आईस) व कस्टमज एंड बार्डर प्रोटैक्शन द्वारा गंभीर अपराधों के अधीन गिरफ्तार किए व्यक्तियों के विवरण दर्ज हैं। सूची में 89 भारतीय मूल के व्यक्ति है, जिनमें 2 दर्जन से अधिक लोगों के नाम के साथ सिंह या कौर लिखा है। हालांकि इनमें बहुत से क्लीनशेव हैं। जबकि गुजरातियों की संख्या भी काफी अधिक है। कइयों में मुसलमान व अन्य भारतीय हैं। इन सभी को ही अमरीका से निर्वासित किया जा रहा है। सूची ने भारतीय-अमरीकी भाईचारे में विवाद पैदा कर दिया, क्योंकि बहुत से भारतीय-अमरीकी कानून पाल वाले नागरिक है और अमरीकी अर्थव्यवस्था में योगदान डाल रहे हैं, परंतु कुछ विश्लेषक इसको नसली भेदभाव के रूप में देख रहे हैं। दो दर्जन से अधिक व्यक्तियों पर मुख्य तौर पर वित्तीय धोखाधड़ी, नशीले पदार्थों की तस्करी व हिंसक अपराधों के आरोप हैं। वैबसाइट पर उनकी तस्वीरों व विवरण आम जनता के लिए उपलब्ध है। सूची के अनुसार गिरफ्तार किए व्यक्तियों में बलबीर सिंह, कुलदीप सिंह, हरजिंदर सिंह, हरप्रीत सिंह, अंतरप्रीत कौर, अमृतपाल सिंह, कर्मजीत सिंह, वरिंदर सिंह, दमनप्रीत सिंह, रवदीप सिंह, गुरपिंदर संधू, परमवीर सिंह, नवजोत सिंह, हरपिंदर सिंह, सुखदेव सिंह, गुरविंदर सिंह, दलवीर सिंह, रुपिंदर सिंह, मनजिंदर सिंह, सुरजीत सिंह, जसपाल सिंह, विजयदीप सिंह मंडहर, विक्रमवीर सिंह, सुमिंदर सिंह, गुरदेव सिंह, गुरजिंदर सिंह, मनजोत सिंह, गुरपरमिंदर सिंह, बलजिंदर सिंह और गगन सिंह शामिल हैं।

ऑफिस की पार्टी में दिखें सबसे अलग और डैशिंग

ऑफिस की होली पार्टी प्रोफेशनल होने के साथ-साथ मौज-मस्ती का एक बेहतरीन मौका होती है, जहां आपको अपने स्टाइल और शालीनता के बीच एक सही संतुलन बनाना होता है। 2026 के लेटेस्ट फैशन ट्रेंड्स की बात करें तो इस बार कंफर्ट और डेनिम कपड़ों का बोलबाला है। लड़कों के लिए सिर्फ एक साधारण सफेद कुर्ता पहनना अब पुराना फैशन हो गया है, इसलिए आइए इस लेख में कुछ नया ट्राई करने के बारे में जानते हैं।

ऑफिस के माहौल को देखते हुए ऐसे कपड़ों का चुनाव करना जरूरी है जो न केवल आपको भीड़ से अलग दिखाएं, बल्कि रंग खेलने के दौरान आरामदायक भी रहें। चाहे आप पूरी तरह पारंपरिक दिखना चाहें या थोड़ा मॉडर्न टच देना चाहें, इस साल के ट्रेंड्स हर किसी के लिए कुछ खास लेकर आए हैं। आइए

जानते हैं कि इस होली पार्टी में आप अपने ग्रूमिंग और आउटफिट से कैसे सबका ध्यान अपनी ओर खींच सकते हैं। क्लासिक व्हाइट के साथ चिकनकारी का तड़का = सफेद रंग होली का सदाबहार सिग्नेचर है, लेकिन 2026 में चिकनकारी वर्क वाले सफेद कुर्ते सबसे ज्यादा ट्रेंड में हैं। आप इसे क्लासिक पजामे के बजाय नीली डेनिम या चिनोस के साथ पेयर करके एक परफेक्ट इंडो-वेस्टर्न लुक पा सकते हैं।

अगर आप शर्ट पहनना चाहते हैं, तो व्हाइट लिनन शर्ट की स्लीव्स को रोल-अप करके पहनें, जो आपको एक कूल और प्रोफेशनल वाइब देगी। डेनिम जींस और सफेद शर्ट = डेनिम जींस और सफेद शर्ट का कॉम्बिनेशन एक एवरग्रीन क्लासिक लुक है, जो ऑफिस की होली पार्टी के लिए सबसे अच्छा और स्टाइलिश विकल्प है।

अगर आप कुर्ता नहीं पहनना चाहते, तो एक फिटेड व्हाइट लिनन या कॉटन शर्ट चुनें। इसकी स्लीव्स को कोहनी तक रोल-अप कर सकते हैं। यह लुक आपको रिलैक्स्ड और डैशिंग दिखाता है, साथ ही रंगों के साथ यह कंट्रास्ट फोटो में भी बेहतरीन लगता है।

सही एक्सेसरीज आपके लुक को साधारण से शानदार बना सकती हैं। धूप से बचने के लिए स्टाइलिश एविएटर्स या वेफेयरर्स सनग्लासेस पहनें और कलाई पर एक वाटरप्रूफ घड़ी जरूर लगाएं।

फुटवियर की बात करें तो लेदर के जूतों के बजाय कोल्हापुरी चप्पल या स्टाइलिश लोफर्स पहनें जो गीले होने पर खराब न हों। अपने बालों को रंगों से बचाने के लिए आप एक ट्रेंडी बंदना भी बांध सकते हैं।

होली पर जरूरी है हेयर केयर

होली रंगों और खुशियों का त्योहार है, लेकिन इन रंगों में मौजूद केमिकल्स बालों को रूखा, बेजान और कमजोर बना सकते हैं। खासतौर पर केमिकल युक्त गुलाल और पक्के रंग स्कैल्प को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे बाल झड़ने और डैंड्रफ जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कई बार होली के बाद बाल इतने ड्राई हो जाते हैं कि उन्हें ठीक करने में हफ्तों लग जाते हैं। इसलिए जरूरी है कि होली खेलने से पहले और बाद में बालों की सही देखभाल की जाए। ऐसे में अगर आप कुछ आसान घरेलू नुस्खे और सही हेयर केयर रूटीन अपनाएं, तो रंगों के नुकसान से अपने बालों को काफी हद तक बचा सकते हैं। आइए जानते हैं होली के दौरान बालों को सुरक्षित और हेल्दी रखने के आसान और असरदार टिप्स। 1. तेल जरूर लगाएं = होली खेलने से कम से कम 1-2 घंटे पहले बालों में अच्छी तरह तेल लगाएं। नारियल, बादाम या जैतून का तेल स्कैल्प से लेकर बालों की लंबाई तक अप्लाई करें। आप चाहें तो हल्का गुनगुना तेल इस्तेमाल कर सकते हैं, इससे तेल बालों में बेहतर तरीके से एब्जॉर्ब होता है। मिलेंगे ये फायदे = तेल बालों पर एक सुरक्षा परत बना देता है। केमिकल रंग सीधे बालों के क्यूटिकल्स में प्रवेश नहीं कर पाते। बाद में रंग छुड़ाना आसान हो जाता है। अगर आपके बाल बहुत ड्राई हैं, तो तेल में थोड़ा एलोवेरा जेल मिलाकर भी लगा सकते हैं। खुले बालों में रंग, धूल और गंदगी ज्यादा फंसती है। इसलिए होली खेलते समय टाइट पोनीटेल, चोटी या बन बनाएं। ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा टाइट हेयरस्टाइल न बनाएं, इससे बाल टूट सकते हैं। स्कार्फ या कैप से बाल कवर करना और भी बेहतर विकल्प है।

फैशन की दुनिया में ट्रांसपेरैंट फुटवियर का बढ़ता क्रेज

आजकल फैशन की दुनिया में ट्रांसपेरेंट फुटवियर का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। युवतियां और महिलाएं अपनी लुक को और अधिक आकर्षक, यूनीक और ट्रैंडी बनाने के लिए तरह-तरह के एक्सपैरिमैंट कर रही हैं। ड्रैस, हेयरस्टाइल और मेकअप के अलावा फुटवियर में भी नई-नई चीजें ट्राई की जा रही हैं। सैंडिल, शूज, जूती से लेकर हाई हील्स तक हर तरह के ऑप्शन उपलब्ध हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से ट्रांसपेरेंट फुटवियर सबसे ज्यादा चर्चा में है।

इनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये लगभग हर तरह की ड्रैस के साथ आसानी से मैच हो जाते हैं। ट्रांसपेरेंट होने के कारण कलर कॉम्बिनेशन की कोई टैंशन नहीं रहती। ट्रांसपेरैंट फुटवियर में हाई हील्स, बेली सैंडिल, हाफ बेली, फ्लैट सैंडिल और यहां तक कि लो ब्लॉक हील्स भी उपलब्ध हैं। ये न सिर्फ दिखने में अलग, डिफरैंट और यूनीक लगते हैं, बल्कि पहनने में काफी कंफर्टेबल भी होते हैं। ट्रांसपेरेंट मैटीरियल होने से पैरों में हवा का संचार अच्छा रहता है, जिससे गर्मी में भी आराम मिलता है। युवतियां इन्हें कैजुअल से लेकर स्पैशल ऑकेजन तक सब जगह पहन रही हैं।

इंडियन ट्रेडीशनल आऊटफिट जैसे साड़ी, लहंगा-चोली, अनारकली सूट या गाऊन के साथ ट्रांसपेरेंट हाई हील्स या सैंडिल पहनकर एकदम एलिगेंट और मॉडर्न लुक क्रिएट किया जा सकता है। वैस्टर्न वियर में पार्टी ड्रैस, कॉकटेल गाऊन या शॉर्ट ड्रैस के साथ ये हाई हील्स परफैक्ट कॉम्बिनेशन बनाते हैं।

वहीं कैजुअल लुक के लिए जींस-टॉप, कुर्ती-सूट या इंडो-वेस्टर्न आऊटफिट के साथ ट्रांसपेरैंट फ्लैट सैंडिल या स्लाइडर्स स्टाइल किए जा रहे हैं, जो काफी कूल और आकर्षक लगते हैं। मार्कीट में ट्रांसपेरेंट फुटवियर की डिमांड बढ़ने से ढेर सारे डिजाइन उपलब्ध हो गए हैं। सिंपल क्लीयर से लेकर स्टोन वर्क, बीड्स, राइनस्टोन या एम्बैलिशमैंट वाले ऑप्शन मिल रहे हैं, जो लुक को और ग्लैमरस बनाते हैं।

खास मौकों जैसे वैडिंग, पार्टी या फैमिली फंक्शन पर युवतियां इन्हें खास तौर पर पसंद कर रही हैं क्योंकि ये उन्हें अलग और कॉन्फिडेंट फील कराते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स और लोकल मार्केट में भी ये अफोर्डेबल रेट्स पर मिल रहे हैं, जिससे हर कोई इन्हें ट्राई कर पा रही है। इन फुटवियर को स्टाइल करने के लिए एक्सैसरीज का भी खास ध्यान रखा जा रहा है।

गोल्डन या सिल्वर क्लच, स्टाइलिश बैग और ज्वैलरी में डायमंड, सिल्वर या मिनिमलिस्ट पीसेज को प्रैफर किया जा रहा है।

ट्रांसपेरेंट होने से फुटवियर बैकग्राऊंड में रहता है और बाकी एक्सैसरीज हाइलाइट हो जाती हैं। कुल मिलाकर, ट्रांसपेरेंट फुटवियर न सिर्फ फैशनेबल है बल्कि वर्सेटाइल भी, जो हर मौके पर यूनीक लुक देने का काम करता है। जो युवतियां कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं ये उनके लिए बैस्ट ऑप्शन है।

न्यूज ब्रीफ

मध्य पूर्व में फंसे पंजाबियों की सुरक्षित वापसी के लिए मान सरकार ने वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती की

चंडीगढ़/सत्ता संदेश

मध्य पूर्व क्षेत्र में जारी युद्ध जैसी स्थिति के बीच वहां फंसे पंजाबियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने पूरी प्रक्रिया के समन्वय और निगरानी के लिए दो वरिष्ठ अधिकारियों को तैनात किया है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार तुरंत प्रभाव से 24म7 हेल्पलाइन पहले ही स्थापित कर दी गई है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आर.के. जैसवाल को हेल्पलाइन का ओवरऑल इंचार्ज नियुक्त किया गया है, जबकि गृह विभाग के सचिव विमल सेतिया को समन्वय और निगरानी के उद्देश्य से नोडल अधिकारी बनाया गया है। नोडल अधिकारी को भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑ एक्सटर्नल ऑफेयर्स के साथ निरंतर संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं। नोडल अधिकारी मध्य पूर्व एशिया और अन्य देशों में फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों पर लगातार नजर रखेंगे।

मोहिंदर भगत द्वारा बागवानी परियोजनाओं की प्रगति संबंधी अधिकारियों के साथ विशेष समीक्षा बैठक

चंडीगढ़/सत्ता संदेश

मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य के बागवानी क्षेत्र के विकास और किसानों की आय ब ाने के लिए तेजी से काम कर रही है। इसी दिशा में काम करते हुए बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने कल शाम बागवानी विभाग की विभिन्न परियोजनाओं और योजनाओं की प्रगति का जायजा लेने के लिए विभागीय अधिकारियों के साथ पंजाब भवन, चंडीग में एक विशेष समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर बागवानी प्रशासनिक सचिव अरशदीप सिंह थिंद, निदेशक बागवानी मनीष कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक के दौरान मंत्री ने बागवानी क्षेत्र के विकास और किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के लिए चल रही योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला स्तर की बागवानी नर्सरियों में अधिक से अधिक गुणवत्ता वाले पौधों का उत्पादन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने मंडी के दियाड़गी में 60 करोड़ रुपये की 14 परियोजनाएं की लोगों को समर्पित

मंडी/सत्ता संदेश

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज मंडी जिला के एक दिवसीय दौरे के दौरान, बल्ह के दियो गी में लगभग 60 करो रुपये की लागत की 14 विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास किए।

मुख्यमंत्री ने नाबार्ड के अंतर्गत 25.99 करो रुपये की लागत से शिमला-मंडी से क वाया तत्तापानी (चैल चौक से बग्गी) के उन्नयन कार्य का उद्घाटन किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने 6.96 करो रुपये की लागत से नाबार्ड के तहत नेहरा से फगोह वाया कुथल, बगला, लोअर नातन मार्ग तथा कांशा खड्ड पर मोटरेबल पुल सहित से क का उद्घाटन किया। उन्होंने 2.75 करो रुपये की लागत से धनोटू में निर्मित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह, तहसील बल्ह के चम्यार में 12 लाख रुपये की लागत से निर्मित पटवार भवन, ग्राम पंचायत कोटली में 14 लाख रुपये की लागत से निर्मित 'अपना पुस्तकालय', जाछ (झुंगी) में 55 लाख रुपये की लागत से निर्मित लोक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता कार्यालय एवं आवास भवन का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने निचली बेहली में 37 लाख रुपये की लागत से निर्मित सामुदायिक केन्द्र तथा 38-38 लाख रुपये की लागत से जाच और फंगवास में सामुदायिक केंद्रों का भी उद्घाटन किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने ग्राम पंचायत पंडोह में 8 लाख रुपये की लागत से निर्मित पुस्तकालय का लोकार्पण भी किया।

इसके अतिरिक्त उन्होंने 3.08 करो रुपये की लागत से तहसील सुंदरनगर की चौक, महादेव, अपर बेहली, चंबी, पलोहोटा, जय देवी तथा बलाना ग्राम पंचायतों के लिए उठाऊ जलापूर्ति योजना का उद्घाटन किया। इसके साथ ही 3.14 करो रुपये की लागत से जल जीवन मिशन के अंतर्गत तहसील बल्ह की ग्राम पंचायत धाबन और लोहारा तथा टांडा की बस्तियों के लिए उठाऊ जलापूर्ति योजना तथा 11.57 करो रुपये की लागत से तहसील चच्योट की ग्राम पंचायत सैंज और नंदी के विभिन्न गांवों के लिए उठाऊ जलापूर्ति योजना को भी लोगों को समर्पित किया।

पंजाब की महिलाओं को हर महीने मिलेंगे एक हजार, एलान जल्द : भगवंत सिंह मान

खेमकरण/सत्ता संदेश

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की है कि पंजाब में महिलाओं को जल्द ही हर महीने 1,000 रुपये मिलेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले बजट में महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करने के लिए यह प्रावधान किया गया है, ताकि उन्हें रोजमर्रा की जरूरतों के लिए घर के मुखिया से पैसे न मांगने पड़ें। खेमकरण में 137 करोड़ रुपये के ग्रामीण लिंक सड़क प्रोजेक्ट का शिलान्यास करने के बाद बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार लोगों के सामने मौजूद वास्तविक मुद्दों जैसे नशा, गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी को हल करने पर केंद्रित है, साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं को मजबूत कर रही है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज सीमावर्ती विधानसभा क्षेत्र खेमकरण में 137 करोड़ रुपये की लागत वाले ग्रामीण लिंक सड़क परियोजना का शिलान्यास किया और कहा कि 'आप' सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, रोजगार के अवसर पैदा करने और बेहतर सार्वजनिक सेवाएँ उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने नहरी सिंचाई, रोजगार सृजन और शिक्षा सुधारों में हुई प्रगति पर भी प्रकाश डाला।

शिलान्यास के बाद एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सड़कों से लेकर स्कूलों, खेल मैदानों और उद्योगों तक उनकी सरकार हर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास को नजरअंदाज किया, लेकिन 'आप' सरकार इन क्षेत्रों की तरक्की के लिए समर्पित प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि हम इन क्षेत्रों के निवासियों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो देश के सच्चे देशभक्त हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के इतिहास में पहली बार कोई औद्योगिक नीति सीमावर्ती क्षेत्रों में इकाइयाँ स्थापित करने के इच्छुक उद्योगपतियों को प्रोत्साहन दे रही है। उन्होंने बताया कि नई औद्योगिक नीति के तहत नौ प्राथमिकता क्षेत्रों और सीमावर्ती तथा कंडी क्षेत्रों में निवेश करने वाले उद्योगों को 25 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भौगोलिक दृष्टि से पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, फिरोजपुर और फाजिल्का जैसे सीमावर्ती जिलों में विभिन्न जोखिमों के कारण ऐतिहासिक रूप से कम निवेश हुआ है।

एनसीवीईटी ड्यूल स्टेटस प्राप्त करने वाला देश का दूसरा राज्य बना हिमाचल : शिक्षा मंत्री

शिमला/सत्ता संदेश

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने आज यहां बताया कि वर्तमान राज्य सरकार और हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (एचपीबोस) के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप बोर्ड को राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) से ÷ड्यूल कैटेगरी÷ मान्यता प्राप्त हुई है। इस उपलब्धि के साथ हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश के बाद देश का दूसरा राज्य बन गया है, जिसे अवॉर्डिंग बॉडी (एबी) और असेसमेंट एजेंसी (एए) दोनों के रूप में मान्यता मिली है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि राज्य में व्यावसायिक शिक्षा को मजबूत करने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बे ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस मान्यता के साथ अब हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा (एनएसक्यूएफ) के अंतर्गत व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का निर्माण, प्रशिक्षण, मूल्यांकन और प्रमाणन स्वयं कर सकेगा। शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस व्यवस्था के अंतर्गत जारी किए जाने वाले प्रमाण पत्रों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त होगी, जिससे छात्रों को देश और विदेश में रोजगार तथा उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें अकादमिक और व्यावसायिक शिक्षा के बीच की दूरी को समाप्त करने पर बल दिया गया है। रोहित ठाकुर ने कहा कि इस नई व्यवस्था के तहत पहला प्रमुख कदम उठाते हुए प्रदेश सरकार द्वारा स्कूलों में बागवानी विषय में व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को 'फ्रूट बाउल ऑफ इंडिया' के रूप में जाना जाता है और यह पाठ्यक्रम राज्य की कृषि और बागवानी आधारित अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने में सहायक होगा।

प्रदेश सरकार आपदा पूर्व तैयारी को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयासरत : राजस्व मंत्री

शिमला/सत्ता संदेश

जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम लचीलापन हिमालय का भविष्य, हिमाचल प्रदेश के लिए सबक, चुनौतियां और नीतिगत मार्ग विषय पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आज डॉ. मनमोहन सिंह हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान (हिप्पा) शिमला में संपन्न हुई। इस अवसर पर राजस्व, बागवानी एवं जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह दो दिवसीय कार्यशाला हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित की गई।

राजस्व मंत्री ने हिमालयी राज्यों पर जलवायु परिवर्तन के बे ते प्रभावों पर प्रकाश डाला, विशेषकर कृषि, बागवानी, आधारभूत संरचना और आजीविका जैसे क्षेत्रों पर पे ने वाले प्रभावों का उल्लेख किया।

उन्होंने बे ते जलवायु और आपदा जोखिमों से निपटने के लिए राज्य सरकार द्वारा आपदा तैयारी को मजबूत करने, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को बेहतर बनाने तथा लचीले बुनियादी ढांचे के विकास के प्रयासों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं से बे ते जोखिम से निपटने के लिए आपदा पूर्व तैयारी को सुदृ करने, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों में सुधार करने तथा लचीले बुनियादी ढांचे के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

विशेष सचिव (राजस्व) डी.सी. राणा ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए संस्थागत तैयारी को मजबूत करने, विभागों के बीच बेहतर समन्वय तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, आपदा जोखिम आकलन, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों तथा हिमालयी क्षेत्रों में लचीले बुनियादी ढांचे पर विषयगत सत्र आयोजित किए गए।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित

शिमला/सत्ता संदेश

आज लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के सम्मान में लोक भवन के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर लेडी गवर्नर जानकी शुक्ला भी उपस्थित रहीं। लोक भवन के कर्मचारियों की ओर से राज्यपाल के सचिव सी.पी. वर्मा ने राज्यपाल और लेडी गवर्नर को उनके प्रति आदर और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में पारंपरिक हिमाचली टोपी, शॉल और एक स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने लोक भवन में कार्य करते हुए हिमाचल प्रदेश में बिताए अपने तीन वर्ष के कार्यकाल को स्नेहपूर्वक याद किया। उन्होंने सभी कर्मचारियों की निष्ठा और योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान उन्हें कर्मचारियों का निरंतर सहयोग और समर्थन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों के सक्रिय सहयोग से उन्हें विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर कार्य करने का अवसर मिला।

श्री शुक्ल ने कहा कि वे राज्य के साथ अपने जु ाव की सुखद यादों को हमेशा संजोकर रखेंगे। हिमाचल प्रदेश को एक सुंदर पर्वतीय राज्य बताते हुए उन्होंने कहा कि यहां के लोग मेहनती और ईमानदार हैं। कार्यक्रम का समापन लोक भवन के कर्मचारियों द्वारा राज्यपाल और लेडी गवर्नर को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देने के साथ हुआ।

विजिलेंस ब्यूरो द्वारा 1,00,000 रुपये रिश्वत लेते ड्रग इंस्पेक्टर रंगे हाथों काबू

चंडीगढ़/सत्ता संदेश

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो (वीबी) ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अपने अभियान के दौरान एफ.डी.ए. ड्रग विंग, श्री मुक्तसर साहिब में तैनात ड्रग इंस्पेक्टर रमनदीप गुप्ता को 1,00,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है। आज यहां इस संबंध में जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को बठिंडा के रहने वाले एक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता रेडिनेक्स लाइफ साइंसेज़ प्राइवेट लिमिटेड, बठिंडा का डायरेक्टर है और उसकी कंपनी वर्ष 2020 से एलोपैथिक दवाइयों का निर्माण कर रही है। आरोपी ड्रग इंस्पेक्टर ने छापेमारी के बाद उसकी कंपनी को सील कर दिया था।

मनरेगा के अंतर्गत 50 दिन कार्य करने वाले परिवार बी.पी.एल. सूची में होंगे शामिल

शिमला/सत्ता संदेश

ग्रामीण विकास विभाग के प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि विभाग द्वारा बी.पी.एल. परिवारों के निर्धारण संबंधी दिशानिर्देशों में संशोधन किया गया है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा जारी निर्देशों तथा उसमें समय-समय पर किए गए संशोधनों के क्रम को जारी रखते हुए, 04 फरवरी, 2026 के बी.पी.एल. दिशानिर्देशों में वर्णित पैरा 1(क) (4) को पुनः संशोधित किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि संशोधित प्रावधान के अनुसार अब ऐसे परिवार भी बी.पी.एल. सूची में शामिल किए जा सकेंगे, जिनके सभी वयस्क सदस्यों द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष में मनरेगा के अंतर्गत कम से कम 50 दिन कार्य किया गया हो। उन्होंने बताया कि उक्त श्रेणियों के अंतर्गत प्रथम चरण से चतुर्थ चरण के सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त आवेदनों पर भी विचार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त पात्र परिवारों से नए आवेदन भी 12 मार्च, 2026 तक स्वीकार किए जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत जारी की गई गई अधिसूचना के अनुसार 15 मार्च, 2026 तक खंड स्तरीय समिति द्वारा ऐसे पात्र परिवारों को पंचायत-वार अधिसूचित करते हुए बी.पी.एल. परिवारों की पांचवें चरण की सूची÷ के रूप में प्रकाशित किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि पांचवें चरण के सर्वेक्षण के लिए उपर्युक्त संशोधित समावेशन बहिष्करण मानदंडों के अतिरिक्त सत्यापन, अनुमोदन, अपील, अभिलेख संधारण तथा समय-सीमा से संबंधित समस्त प्रक्रियाएं विभाग के पत्र दिनांक 19 मार्च, 2025 तथा 15 दिसम्बर, 2025 को जारी अधिसूचना में वर्णित प्रावधानों के अनुसार ही लागू रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

सड़क सुरक्षा पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित

शिमला/सत्ता संदेश

परिवहन विभाग की लीड एजेंसी रोड सेफ्टी सेल द्वारा आईआईटी मद्रास के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रोड सेफ्टी के सहयोग से आज डॉ. मनमोहन सिंह हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान (हिप्पा) में राज्य स्तरीय स क सुरक्षा कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक परिवहन नीरज कुमार ने की। इस अवसर पर नीरज कुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा को केवल नियमों का पालन करने तक सीमित न रख कर इसके बारे में प्रत्येक नागरिक को जागरूक किया जाना नितांत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग द्वारा फरवरी 2026 में ऑनलाइन माध्यम से सड़क सुरक्षा लघु फिल्म महोत्सव' का आयोजन किया गया। इस महोत्सव के माध्यम से विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों को स क सुरक्षा विषय पर लघु फिल्में बनाने के लिए आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में महोत्सव में चयनित लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। महोत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 24 प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यशाला के दौरान आईआईटी मद्रास की टीम द्वारा स क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं, पहाड़ी क्षेत्रों की सड़कों में सुरक्षा के लिए रणनीतियों तथा सुरक्षित स कों के लिए नवाचारों और फ्रेमवर्क पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आधार द फाउंडेशन द्वारा नारी शक्ति सम्मान समारोह आयोजित

खन्ना/सत्ता संदेश

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आधार द फाउंडेशन खन्ना की ओर से स्थानीय एएस कॉलेज फॉर वूमैन में नारी शक्ति समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे संस्था द्वारा अलग-अलग तरीकों से समाज में अच्छी सेवाएं देने वाली सशक्त महिलाओं को सम्मानित किया गया। समारोह में कैबिनेट मंत्री पंजाब सरकार तरुणप्रीत सिंह सौंद की माता सुखविंदर कौर सौंद मुख्य अतिथि की रूप में शामिल हुई। उनका संस्था के चैयरमैन पुष्कराज सिंह, अध्यक्ष मोहिंदर अरोड़ा, कॉलेज सचिव कविता गुप्ता सहित सदस्यों ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर पंजाबी फिल्मों की मशहूर कलाकार गुरप्रीत कौर भंगू भी विशेष अतिथि के रूप में समारोह में शामिल हुए। सुखविंदर कौर सौंद ने कहा कि आज लड़कियां विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल कर रही है। उन्होंने कहा कि लोग अपनी बेटियों को पढ़ा लिखा कर उनको आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा की आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर रही हैं- चाहे वह शिक्षा हो, विज्ञान हो, राजनीति हो या फिर खेल। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अभी भी महिलाओं को सम्मान अधिकार लेने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

मोहाली के आर्यन दत्त बने भारतीय सेना की प्रतिष्ठित 4 हॉर्स रेजीमेंट में कमीशंड अधिकारी

चंडीगढ़/सत्ता संदेश

महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के 8वें कोर्स के कैडेट आर्यन दत्त को आज ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए), गया में आयोजित पासिंग आउट परेड (पीओपी) के दौरान भारतीय सेना की प्रतिष्ठित 4 हॉर्स रेजीमेंट में कमीशंड अधिकारी के रूप में चुना गया। इस परेड का निरीक्षण लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ, पीवीएसएम, एवीएसएम, जीओसी-इन-सी, दक्षिणी कमान ने किया। आर्यन दत्त, जो अब औपचारिक रूप से भारतीय सेना के अधिकारी बन गए हैं, मोहाली निवासी प्रैक्टिसिंग वकील श्रीमती संगीता दत्त और स्वर्गीय कमांडर अमिताभ दत्त के पुत्र हैं। सेना में अधिकारी के रूप में अपनी पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए आर्यन अपने पिता के नक्शे-कदमों पर चलते हुए परिवार की दूसरी पीढ़ी के अधिकारी बन गए हैं। उनके पिता भारतीय नौसेना में कमांडर के रूप में सेवा दे चुके थे और वर्ष 2017 में उनका निधन हो गया था। संस्था के लिए यह गर्व का क्षण है क्योंकि आर्यन दत्त 4 हॉर्स रेजीमेंट में कमीशन प्राप्त करने वाले एमआरएसएएफपीआई के पहले कैडेट बन गए हैं।

जब तक पंजाब में 'आप' सरकार है, मुफ्त बिजली जारी रहेगी : मुख्यमंत्री मान

संगरूर/सत्ता संदेश

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि पंजाब सरकार के आगामी बजट में आर्थिक विकास को गति देने के साथ-साथ लोगों के कल्याण के उद्देश्य से कई नई जन-पक्षीय पहलें की जाएंगी। जिला संगरूर में लोक मिलनी कार्यक्रम के दौरान एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए और बाद में मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने पिछले चार वर्षों के दौरान जनता के पैसे का जिम्मेदारी से उपयोग किया है। राज्य के 90 प्रतिशत से अधिक घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई गई है, 881 आम आदमी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं और बिना रिश्वत या सिफारिश के 63,000 से अधिक सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अकाली नेतृत्व का पंजाब की जमीनी हकीकत से नाता टूट चुका है और उन्हें सत्ता में वापस आने के सपने देखना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां पंजाब के युवाओं को रोजगार के अवसरों की जरूरत है, वहीं सुखबीर सिंह बादल गांवों में ताश के टूर्नामेंट करवाने की बात कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने नेरचौक में रोबोटिक सर्जरी सुविधा का किया शुभारंभ

- नेरचौक चिकित्सा महाविद्यालय में खुलेगा हृदय रोग विभाग, पैट स्कैन मशीन भी लगेगी, मुख्यमंत्री ने की घोषणा
- पीजी कोर्स शुरू करने के लिए सरकार देगी एकमुश्त राहत

मंडी/सत्ता संदेश

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज जिला मंडी स्थित मेडिकल कॉलेज नेरचौक में रोबोटिक सर्जरी सुविधा का शुभारम्भ किया। इस विश्वस्तरीय आधुनिक तकनीक पर 28.44 करो रुपये व्यय किए गए हैं। उन्होंने यहां पर स्वयं पहली सर्जरी को देखा। इससे पूर्व, जिला शिमला के अटल सुपरस्पेशलिटी अस्पताल चमियाणा और जिला कांगे ा के मेडिकल कॉलेज टांडा में रोबोटिक सर्जरी की शुरूआत की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शीघ्र ही आईजीएमसी शिमला और हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में भी रोबोटिक सर्जरी की सुविधा शुरू कर दी जाएगी, जिसकी प्रक्रिया चल रही है।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि चमियाणा में अब तक 151 तथा टांडा मेडिकल कॉलेज में 92 ऑपरेशन रोबोटिक सर्जरी के माध्यम से किए जा चुके है, जिसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में एम्स दिल्ली के स्तर पर हाईएंड तकनीक का समावेश किया जा रहा है, ताकि प्रदेश के मेडिकल कॉलेज रैफरल स्वास्थ्य संस्थान बनकर न रह जाएं। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों को भी एक्सपोजर विजिट पर भेजा जाएगा, ताकि वे आधुनिक तकनीक के बारे में और बेहतर जानकारी हासिल कर सकें। उन्होंने कहा, ''बिगे ी हुई व्यवस्थाओं को ठीक करने में समय लगता है। आरडीजी बंद होने के कारण प्रदेश के बजट से 10 हजार करो कम हुए हैं, इसके बावजूद आने वाले समय में राज्य सरकार आधुनिक मेडिकल तकनीक पर तीन हजार करो रुपये खर्च करने जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल कॉलेज नेरचौक में हृदय रोग विभाग स्थापित किया जाएगा। कॉलेज के सभी विभागों में पीजी कोर्स शुरू किए जाएंगे। ऐसे सभी विभागों में जहां पीजी कोर्स शुरू करने के लिए प्रोफेसर नहीं है, उन्हें एकमुश्त रिलेक्सेशन (छूट) दी जाएगी, ताकि वहां पीजी कोर्स शुरू करने में किसी प्रकार की दिक्कत न आए। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज में एस.आर.शिप के पद भी बे ाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नेरचौक में रेडियोलॉजी विभाग के साथ-साथ सभी विभागों को सशक्त किया जाएगा और डॉक्टरों, पैरा मेडिकल और टेक्नीशियन के पदों को भरा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के नीतिगत फैसले के तहत सभी मेडिकल कॉलेजों में पीजी और एसआर शुरू की जाएंगी। राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के लिए प्रयास कर रही है, ताकि प्रदेश के मरीजों को बेहतर इलाज के लिए बाहर न जाना पे । उन्होंने कहा कि नेरचौक ट्रॉमा सेंटर में खाली पदों को भरा जाएगा, ताकि इमरजेंसी सेवाओं में सुधार हो सके। थ्री-टेस्ला एमआरआई मशीन के साथ-साथ लिनाक (स्द्धद्भष्ट) मशीन को शुरू करने की प्रक्रिया चल रही है और जल्द ही पैट स्कैन मशीन भी लगाई जाएगी। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों का स्टाइपंड 40 हजार रुपये से बे ाकर 1 लाख रुपये किया है, जबकि सीनियर रेजिडेंट सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों का स्टाइपंड एक लाख रुपये से बे ाकर 1.30 लाख रुपये किया गया है।